अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिऐ : 9314505000

लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, मंगलवार, 12 सितंबर 2023 | वर्ष : 14 | अंक : 29 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रात: कालीन | मूल्य: 1 रूपया

न्यूज ब्रीफ

जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के अफसरों पर केस चल सकेगा, सुप्रीम कोर्ट बोला- इसके लिए अनुमति की भी जरूरत नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अब जॉइंट सेक्रेटरी और उससे ऊपर के अफसरों पर भ्रष्टाचार का केस चल सकेगा और बाकायदा जांच हो सकेगी। इसके लिए उच्चाधिकारियों की अनुमति की जरूरत भी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 11 सितंबर को यह आदेश दिया। कोर्ट के मुताबिक, यह ऑर्डर 11 सितंबर 2003 से मान्य होगा। जस्टिस संजय किशन कौल की पांच जजों की बेंच ने एकमत होकर ये फैसला सुनाया। शीर्ष कोर्ट ने अपने 2014 के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि तब दिल्ली स्पेशल पुलिस स्टेबलिशमेंट एक्ट 1946 के प्रावधान को रद्द कर दिया था। यह प्रावधान कुछ अफसरों को भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच से सुरक्षा (इम्यूनिटी) प्रदान करता है। अब आदेश पूर्व प्रभाव से लागू होगा।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2014 का जजमेंट 11 सितंबर 2003 से ही मान्य होगा। 11 सितंबर 2003 से ही DSPE Act में धारा 6(A) जोड़ी गई थी। इस धारा के मुताबिक, किसी जांच के लिए केंद्र सरकार के अप्रूवल की जरूरत होगी। अब सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच को तय करना था कि क्या किसी जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के सरकारी अधिकारी को कानून के किसी प्रावधान के तहत गिरफ्तारी से मिला संरक्षण तब भी कायम रहता है, अगर उसकी गिरफ्तारी के बाद आगे चलकर उस कानून को ही रद्द कर दिया गया हो। कोर्ट को तय करना था कि क्या दिल्ली पुलिस स्पेशल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के सेक्शन 6(1) के तहत जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के अधिकारी को मिला संरक्षण तब भी कायम रहता है, जिसकी गिरफ्तारी इस धारा के रद्द होने से पहले की है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा कि जो अधिकारी सेक्शन के रद्द होने से पहले गिरफ्तार किए गए थे, उनके खिलाफ केस चल सकता है।

जी20 के आयोजन में नरेंद्र मोदी ने सिर्फ देश का पैसा बर्बाद किया है : लालू यादव

देवघर, (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने कहा है कि जी20 शिखर सम्मेलन के नाम पर नरेंद्र मोदी ने केवल देश का पैसा बर्बाद किया है, इससे देश को क्या फायदा हुआ है? नरेंद्र मोदी देश के संविधान को तथा बाबा साहेब के नाम को मिटाना चाहते हैं। लालू यादव सोमवार को देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम और दुमका स्थित वासुकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। वह अपने पुराने लय में दिखे और हर मुद्दे पर खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि हमने बाबा बैद्यनाथ और बासुकीनाथ से प्रार्थना की है कि देश में नफरत फैलाने वालों के खिलाफ हम सभी को ताकत दें ताकि उन्हें बचने को कोई रास्ता इन्हें नहीं मिले। भाजपा पर हमला बोलते हुए राजद सुप्रीमो ने कहा कि इन्होंने कर्नाटक में बजरंग बली को भी छला, लेकिन, उन्होंने ऐसा गदा मारा कि होश ठिकाने आ गया। लालू ने कहा कि हम सब पूजा-पाठ करने वाले लोग हैं। सबका दुख-सुख समझते हैं। सबसे बड़ा डॉक्टर तो बाबा बैद्यनाथ हैं। बाबा ने बुलाया तो हमने हाजिरी दे दी। कई और देवी-देवताओं का आशीर्वाद लेकर चुनाव के मैदान में कूदेंगे। उन्होंने कहा कि देश के हालात ठीक नहीं हैं। लगातार महंगाई बढ़ रही है। चुनाव नजदीक आते ही नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को फिर से छलने का काम किया है, इनका जाना तय है। उपचुनाव में एनडीए की बुरी तरह पराजय हुई है। बिहार, बंगाल और झारखंड सभी जगह इन्हें हार मिली है।

महाराष्ट्र में पथराव-आगजनी, 2 की मौत, 8 घायल

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा जिले की खटाव तहसील में रविवार 10 सितंबर की रात एक समुदाय ने दूसरे समुदाय के लोगों के घरों पर पथराव किया, जिसके बाद वहां हिंसा भड़क गई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 9 सितंबर को एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर छत्रपति शिवाजी महाराज के खिलाफ पोस्ट की थी। इसके बाद से ही इलाके में तनाव का माहौल था। पुलिस ने बताया कि पुणे से करीब 150 किलोमीटर दूर स्थित पुसेसावाली गांव से हिंसा शुरू हुई थी। दो समुदाय के लोगों ने कई दुकानों और घरों में आग लगा दी। हालात काबू करने के लिए इलाके की इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि लगभग एक हजार लोगों की भीड़ ने गांव में पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की। उन्होंने सड़क किनारे खड़े वाहनों में भी आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद सातारा के स्क्क समीर शेख पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद हालात नियंत्रित हुए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोस्ट करने वाले शख्स को हिरासत में लिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भेजे गए राजमुंदरी जेल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख और आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू को सोमवार को राजमुंदरी जेल भेज दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू पर कौशल विकास घोटाला का आरोप है। उन्हें नायडू को कड़ी सुरक्षा के बीच अपराध जांच विभाग ने देर रात करीब सवा एक बजे जेल पहुंचाया। विजयवाड़ा न्यायालय परिसर से करीब दस बजे पुलिस का काफिला निकला। इसके पीछे किसी भी वाहन को नहीं चलने दिया गया। करीब 200 किलोमीटर के रास्ते पर विरोध व प्रदर्शन रोकने के लिए पुलिस मुस्तैद रही। राजमुंदरी जेल पहुंचने पर नायडू के बेटे नारा लोकेश को जेल के अंदर जाने की अनुमति दी गई।

6000 किमी लंबा होगा इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर

इसमें 3500 किमी समुद्री मार्ग; 40त्न कम समय में यूरोप पहुंचेगा भारतीय सामान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में जी 20 समिट ने दुनिया में भारत की भागीदारी के कई दरवाजे खोले हैं। समिट में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई। भारत, UAE, सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय यूनियन सहित कुल 8 देशों के इस प्रोजेक्ट का फायदा इजरायल और जॉर्डन को भी मिलेगा। मुंबई से शुरू होने वाला यह नया कॉरिडोर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का विकल्प होगा। यह कॉरिडोर 6 हजार किमी लंबा होगा। इसमें 3500 किमी समुद्र मार्ग शामिल है।

कॉरिडोर के बनने के बाद भारत से यूरोप तक सामान पहुंचाने में करीब 40 प्रतिशत समय की बचत होगी। अभी भारत से किसी भी कार्गो को शिपिंग से जर्मनी पहुंचने में 36 दिन लगते हैं, इस रूट से 14 दिन की बचत होगी। यूरोप तक सीधी पहुंच से भारत के लिए आयात-निर्यात आसान और सस्ता होगा। सबसे पहले भारत और अमेरिका इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में काम कर रहे थे, लेकिन पहली बार दोनों मिडिल ईस्ट में साझेदार बने हैं। भारत की मध्य एशिया से जमीनी कनेक्टिविटी की सबसे बड़ी बाधा पाकिस्तान का

तोड़ मिल गया है। वह 1991 से इस प्रयास को रोकने की कोशिश कर रहा था।

भारत के ईरान के साथ संबंध सुधरे हैं, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण ईरान से यूरेशिया तक के रूस-ईरान कॉरिडोर की योजना प्रभावित होती जा रही है।

अरब देशों के साथ की भागीदारी बढ़ी है, यूएई और सऊदी सरकार भी भारत के साथ स्थायी कनेक्टिविटी बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका को उम्मीद है कि इस मेगा कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट से अरब प्रायद्वीप में राजनीतिक स्थिरता आएगी और संबंध सामान्य हो सकेंगे। यूरोपीय यूनियन ने 2021-27 के दौरान बुनियादी ढांचे के खर्च के लिए 300 मिलियन यूरो निर्धारित किए थे। भारत भी इसका भागीदार बना। नया कॉरिडोर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का विकल्प है। कई देशों के चीन के कर्ज जाल से मुक्ति मिलेगी। जी-20 में अफ्रीकी यूनियन के भागीदार बनने से चीन और रूस के अफ्रीकी देशों में बढ़ती दादागीरी को रोकने में सहायता मिलेगी।

चीन बौखलाया 0, कहा- बातें बहुत, काम कम: चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि दिल्ली में जी-20 समिट में एक बार फिर अमेरिका ने अपनी पुरानी योजना को आगे बढ़ाया है। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने इस योजना के विस्तार का खाका पेश किया है। चीन का दुनिया में आइसोलेट करने के मकसद के साथ अमेरिका के इस प्रोजेक्ट को अभी अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। गल्फ और अरब देशों में रेललाइन का वादा किया गया है, लेकिन अमेरिका के पास वास्तविक इरादा और क्षमता नहीं है। अमेरिका ने एक बार फिर साबित किया है कि बोला ज्यादा गया, काम कम हुआ है।

समुद्रयान मत्स्य 6000 की टेस्टिंग अगले साल, छह हजार मीटर की गहराई में खनिजों का पता लगाएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत अपने पहले महासागर मिशन समुद्रयान के तहत मानवयुक्त पनडुब्बी को अगले साल यानी 2024 की शुरुआत में गहरे समुद्र में भेजेगा। 'मत्स्य 6000' नाम की इस पनडुब्बी की टेस्टिंग बंगाल की खाड़ी में की जाएगी। पहले ट्रायल में इसे समुद्र की 500 मीटर गहराई में भेजा जाएगा। 2026 तक ये तीन भारतीयों को महासागर में 6000 मीटर की गहराई में ले जाएगी। भारत छठवां देश है जिसने मानव पनडुब्बी बनाई है। इसके पहले अमेरिका, रूस, जापान, फ्रांस और चीन ने मानवयुक्त पनडुब्बी बना चुके हैं। वहीं, भारत सरकार इस मिशन के जरिए समुद्र तल से मोबाइल-लैपटॉप जैसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बनाने के लिए कोबाल्ट, निकल और सल्फाइड जैसी धातुएं और खनिज निकालने का प्रयास कर रही है।

टाइटेनियम एलॉय से बनी है 'मत्स्य 6000' : NIOT के डायरेक्टर जी.ए. रामदास ने 'मत्स्य 6000' पनडुब्बी की खासियत बताते हुए कहा- ये 12-16 घंटे तक बिना रुके चल सकती है। इसमें 96 घंटे तक ऑक्सीजन सप्लाई रहेगी। इसका व्यास 2.1 मीटर है। इसमें तीन लोग बैठ सकते हैं। ये 80द्वद्व के टाइटेनियम एलॉय से बनी है। ये 6000 मीटर की गहराई पर समुद्र तल के दबाव से 600 गुना ज्यादा यानी 600 बार (दबाव मापने की इकाई) प्रेशर झेल सकती है। इसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी के साइंटिस्ट्स ने 2 साल में तैयार किया है। वो अभी इसे रिव्यू कर रहे हैं। जून 2023 में अटलांटिक ओशन में टाइटन नाम की पनडुब्बी डूब गई थी। पांच अरबपतियों की मौत हो गई थी। इस घटना को ध्यान में रखते हुए NIOT ने 'मत्स्य 6000' की डिजाइन को रिव्यू करने का फैसला किया। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने के लिए ई-वाहनों और उनके लिए बैटरियों की मांग में तेजी हो रही है। वहीं, इनको बनाने में इस्तेमाल होने वाले संसाधन दुनियाभर में कम होते जा रहे हैं।

सात सप्ताह के उच्चतम स्तर पर, सेंसेक्स 67127.08 अंक पर पहुंचा

मुंबई, (एजेंसी)। बैंक ऑफ जापान के नकारात्मक ब्याज दरों के दौर से बाहर निकलने के संकेत के बाद वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में लगातार सातवें दिन भी तेजी रही। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 528.17 अंक अर्थात 0.79 प्रतिशत की छलांग लगाकर सात सप्ताह के उच्चतम स्तर 67 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 67127.08 अंक पर पहुंच गया। इससे पूर्व यह 20 जुलाई को 67571.90 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 176.40 अंक यानी 0.89 अंक उछलकर 19996.35 अंक पर रहा।दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 1.20 प्रतिशत की तेजी लेकर 33,064.96 अंक और स्मॉलकैप 0.70 प्रतिशत की उड़ान भरकर 38,533.40 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3942 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2110 में लिवाली जबकि 1663 में गिरावट रही वहीं 169 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी 46 कंपनियां हरे जबकि चार लाल निशान पर रही।

बीएसई के सभी 20 समूहों में तेजी रही। इस दौरान सर्विसेज 3.01, यूटिलिटीज 2.43, दूरसंचार 2.32, पावर 2.04, कमोडिटीज 0.97, सीडी 0.87, ऊर्जा 0.42, एफएमसीजी 0.87, वित्तीय सेवाएं 0.94, हेल्थकेयर 0.55, इंडस्ट्रियल्स 0.57, आईटी 0.61, ऑटो 1.59, बैंकिंग 1.06, कैपिटल गुड्स 0.30, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.33, धातु 0.93, तेल एवं गैस 0.48, रियल्टी 0.88 और टेक समूह के शेयर 0.72 प्रतिशत चढ़ गए। विश्व बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.28, जर्मनी का डैक्स 0.53 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.84 प्रतिशत की तेजी रही जबकि जापान का निक्केई 0.43 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.58 प्रतिशत लुढ़क गया।

भारत की राजकीय यात्रा पर सऊदी क्राउन प्रिंस

पीएम मोदी ने सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर की बातचीत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जी 20 समिट के लिए नई दिल्ली आए सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान आज भारत की स्टेट विजिट पर हैं। वो 100 बिजनेसमैन और 7 मंत्रियों के डेलिगेशन के साथ भारत आए हैं। राष्ट्रपति भवन में उन्हें सेरेमोनियल वेलकम दिया गया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बातचीत की।

पीएम मोदी ने कहा भारत के लिए सऊदी अरब अहम रणनीतिक साझेदार है। हम दुनिया की 2 तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। शांति और स्थिरता के लिए आपसी सहयोग होना बहुत जरूरी है। हम अपनी साझेदारी को नए मुकाम पर ले जाने के लिए कई पहल कर रहे हैं। वहीं, सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद सलमान ने कहा- हमारे संबंधों में कभी कोई विवाद का मुद्दा नहीं रहा है। सऊदी अरब के आर्थिक विकास में भारत के लोग अहम भूमिका निभाते हैं। दोनों देशों के बीच कई मैमोरैंडम

साइन किए गए। मोहम्मद बिन सलमान की ये दूसरी स्टेट विजिट है। क्राउन प्रिंस के वेलकम के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहम्मद बिन सलमान के साथ आए डेलिगेशन से मुलाकात की। इससे पहले क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान 2019 में भी भारत की स्टेट विजिट की थी। तब दोनों देशों ने स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप काउंसिल बनाई थी। आज की बैठक में इसी काउंसिल के कामों को लेकर चर्चा की गई। दोनों देशों में राजनीति, सिक्योरिटी, डिफेंस, ट्रेड और अर्थव्यवस्था के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसी साल फरवरी में इंडियन एयरफोर्स के विमानों ने पहली बार सऊदी अरब की धरती पर लैंड किया था। दोनों देशों के बीच साल 2022-23 में 52.75 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ। भारत सऊदी का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सऊदी में 20 लाख से ज्यादा भारतीय समुदाय के लोग रहते हैं। 1 लाख 75 हजार भारतीय हर साल हज के लिए सऊदी जाते हैं।

भारत-सऊदी के रिश्तों में पाकिस्तान बड़ा फैक्टर : 2019 में जब सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद सलमान भारत की स्टेट विजिट पर आए तो वो पाकिस्तान होते हुए आए थे। सऊदी भारत से नजदीकियां बढ़ा रहा है। हालांकि, वो पाकिस्तान को बहुत ज्यादा खफा नहीं कर सकता है। भारत ने त्न20 समिट की एक बैठक कश्मीर में की थी। इसमें सऊदी ने अपने प्रतिनिधि को शामिल होने से इनकार कर दिया था। 1998 में जब पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किया तो सऊदी अरब ने खुलकर उनका साथ दिया था।

आम चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में की समीक्षा बैठक, लोकसभा के साथ हो सकते है 12 राज्यों के विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय निर्वाचन आयोग की टीम पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंची। यहां उन्होंने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ बैठक किया। इसके अलावा चुनाव आयोग की टीम ने राज्य के सभी जिलों के छ्रूके साथ बैठक की। इस बीच ममता बनर्जी ने अपने कैबिनेट के करीब आधा दर्जन मंत्रियों के विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। बता दें कि सरकार लोकसभा चुनाव के साथ ही देश के करीब 12 राज्यों के विधानसभा चुनाव को एक साथ कराने पर विचार कर रही है

उपचुनाव आयुक्तों की टीम ने की समीक्षा बैठक : पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे चुनाव आयोग के दो वरिष्ठ उपचुनाव आयुक्तों धर्मेंद्र शर्मा और नितेश कुमार व्यास ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब के साथ मतदाता सूची के विशेष सारांश पुनरीक्षण और राज्य में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव तैयारियों पर समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में कई जिलों के जिला मजिस्ट्रेट और अन्य नियुक्त चुनाव अधिकारी भी भाग ले रहे हैं।

फर्जी वोटर आईडी को रद्द करने पर विशेष ध्यान : अगले साल 42 सीटों वाले संसदीय चुनावों के लिए इस तरह की पहली समीक्षा बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम शामिल करने, मृत मतदाताओं के नाम हटाने और फर्जी वोटर आईडी को रद्द करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

लोकसभा के साथ विधानसभा का चुनाव करा सकती है सरकार : वहीं, देश में में एकीकृत चुनाव प्रणाली लागू करने के लिए एक बड़ी खबर आ रही है। संसद में बुलाए गए विशेष सत्र के बाद मोदी सरकार कभी भी लोकसभा भंग करके चुनाव आयोग को चुनाव कराने की सिफारिश कर सकती है। संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर को बुलाया गया है। इस सत्र में एक देश, एक चुनाव को लेकर बड़ी चर्चा संभावित बताई जा रही है। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव अभियान को पूरी तरह से लोकसभा चुनाव पर केंद्रित कर रखा है।

वह कई बार विभिन्न मंचों से यह बात दोहरा चुकी है कि तैयारी लोकसभा की हो रही है। ऐसे में देश में करीब एक दर्जन राज्यों का विधानसभा चुनाव कराने की संभावना बहुत की प्रबल हो गई है। भाजपा की इस चुनाव के साथ क्षेत्रीय क्षत्रपों का प्रभाव कम करने की तैयारी भी है। फिर चाहे वह अपने पार्टी के हों या फिर क्षेत्रीय पार्टी।

इन 12 राज्यों में हो सकता है चुनाव : देश के 12 राज्य ऐसे है जहां इस साल के अंत या अगले साल के शुरुआत में चुनाव होने वाले है। इन राज्यों में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर शामिल है। हालांकि इनमें महाराष्ट्र और हरियाणा का कार्यकाल अक्टूबर- नवंबर 2024 तक है।

पेमेंट करो वरना अगली तारीख को तिहाड़ जेल भेज देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी सोमवार (11 सितंबर) को स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह को क्रेडिट सुइस केस में 12.45 करोड़ जमा करने को कहा है। इसमें 4.15 करोड़ रुपए (5 लाख डॉलर) का इंस्टॉलमेंट पेमेंट और 8.29 करोड़ रुपए का डिफॉल्ट अमाउंट है। इसके लिए उन्हें 22 सितंबर तक का समय दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर वो पेमेंट नहीं करते हैं, तो उन्हें तिहाड़ (जेल) भेज दिया जाएगा।

कोर्ट ने कहा- हर हाल में पैसा चुकाओ- जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने 2015 के इस क्रेडिट सुइस मामले की सुनवाई की है। जजों ने कहा- यह (मामला) काफी हो गया है, अब हमें काफी कठोर स्टेप लेने होंगे। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता अगर स्पाइसजेट शट-डाउन हो जाए या बंद हो जाए, लेकिन अजय सिंह को सहमति की शर्तों को मानना ही होगा। कोर्ट ने अजय सिंह को कोर्ट की हर सुनवाई में उपस्थित होने का भी आदेश दिया है।

जान-बूझकर कंसेंट की शर्तों को नहीं मानने का है आरोप-इस मामले में 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अजय सिंह के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया था। कोर्ट फाइलिंग के मुताबिक, अजय सिंह ने जान-बूझकर कंसेंट की शर्तों को नहीं माना। साथ ही उन्होंने 199.25 करोड़ रुपए का भुगतान कोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं किया।

क्या है मामला?-स्विट्जरलैंड बेस्ड कंपनी SRT टेक्निक्स (क्रेडिट सुइस) के साथ स्पाइस जेट ने साल 2011 में विमान इंजन के मेंटेनेंस के लिए 10 साल की डील की थी। साल 2013 में क्रेडिट सुइस ने स्पाइसजेट पर समय पर पेमेंट नहीं करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया था। मामले की सुनवाई करते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने स्पाइसजेट को 2021 तक बंद कर देने का आदेश दे दिया था। हाइकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ स्पाइसजेट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी।

चीन ने हमारी एक वर्ग इंच भी जमीन नहीं कब्जाई,मैं सिर्फ फैक्ट्स बताऊंगा : बीडी मिश्रा

लद्दाख, (एजेंसी)। लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) बीडी मिश्रा ने सोमवार (11 सितंबर) को कहा कि चीन ने भारत की एक वर्ग इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं किया है। साल 1962 (भारत-चीन युद्ध) में जो कुछ भी हुआ, उस पर बात करने से कोई फायदा नहीं। आज सीमा की आखिरी इंच जमीन भी हमारे कब्जे में हैं। भगवान न करे अगर हालात बिगड़े तो सेना के जवान मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। इस दौरान मीडिया ने बीडी मिश्रा से राहुल गांधी के बयान के बारे में पूछा गया। जवाब में उन्होंने कहा कि मैं किसी के बयान पर कोई कमेंट नहीं करूंगा। मैं सिर्फ फैक्ट्स बताउंगा, जो मैंने जमीन पर देखे हैं।

दरअसल, राहुल गांधी 17 से 25 अगस्त तक लद्दाख दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने दावा किया था कि चीन ने हजारों किमी जमीन पर कब्जा किया है। मगर क्क्रू ने इस पर झूठ बोला। वह कह रहे हैं एक इंच जमीन नहीं गई। यह सरासर झूठ है।

लद्दाख के उपराज्यपाल ने बताया कि मोदी सरकार में सेना का मनोबल बढ़ा है। उनका इरादा देश के हर वर्ग इंच जमीन का रक्षा करना है। आज कोई भी हमारी जमीन पैर जमाने के इरादे से भारत की ओर आने की हिम्मत नहीं कर सकता।

साल 1961 में मेरी सेना में नियुक्ति हुई थी। उस वक्त मेरी बटालियन में कुछ भी स्वदेशी नहीं था। हमारी रायफलें बर्मिंघम में बनाई गई थीं। हमें जो घड़ियां मिली थीं, वे स्विट्जरलैंड में बनी थीं। आज ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारत में न बना हो।

चिंतन

जी-20 घोषणाओं पर चीन का नजरिया रचनात्मक

भारत के नजरिये से निश्चित रूप से जी-20 शिखर बैठक बेहद सफल रही है, लेकिन चीन के नजरिये से भी इसे कामयाब करार देना संतुलित भारतीय कूटनीति की जीत है। चीन ने सोमवार को कहा है कि जी-20 के नई दिल्ली घोषणापत्र ने एक 'सकारात्मक' संकेत दिया है कि इस समूह के सदस्य देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने तथा आर्थिक सुधार के लिए हाथ मिला रहे हैं। दरअसल, भारत को शनिवार को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली जब उसकी अध्यक्षता में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों से पार पाते हुए एक सर्वसम्मत घोषणापत्र को अपनाया गया। इसमें पीएम नरेन्द्र मोदी ने 'वैश्विक विश्वास की कमी' को खत्म करने व इसे परस्पर विश्वास में बदलने का आह्वान किया। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जी-20 शिखर बैठक में शिरकत नहीं की, उन्होंने अपने प्रधानमंत्री ली क्विंग को भेजा, इससे कयास लगाया गया कि चीन भारत के साथ अपने तनावों व भारत की अध्यक्षता में हो रहे भव्य सम्मेलन से असहज है, इसी के साथ अमेरिका व यूरोप की चीन विरोधी खेमेबाजी व नीतियों के चलते चीन ऐसी स्थिति से बचना चाहता है, जहां उन्हें असहज होना पड़े। चीन की सोच में भारत में आयोजित जी-20 सम्मेलन में ऐसा होने की संभावना थी। इस बैठक से पहले हुए सभी बैठकों का इतिहास रहा है कि जी-20 घोषणा पत्र में अमेरिकी व यूरोपीय हितों का संरक्षण होता रहा है। चीन को लगा कि इस बार भी ऐसा ही हो। रूस व यूक्रेन जंग पर रूस के खिलाफ अमेरिकी व यूरोपीय रुख के चलते बाली घोषणा पत्र पर सहमति नहीं बन पाई थी। भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ, नई दिल्ली में हुई जी-20 की 18वीं दो दिवसीय शिखर बैठक को भूराजनीतिक मंच नहीं बनने दिया गया। इससे चीन व रूस दोनों खुश हुए कि उन्हें असहज स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से जब पूछा गया कि बीजिंग रविवार को संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के नतीजे को कैसे देखता है तो उन्होंने कहा कि घोषणापत्र यह संकेत देता है कि जी-20 देश वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए हाथ मिला रहे हैं। चीन की यह सकारात्मक प्रतिक्रिया तब आई है, जब इस बैठक में 'भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा' निर्माण को लेकर भारत, अमेरिका, यूरोप, सऊदी अरब, यूएई आदि देशों के बीच सहमति बनी है। इस क्रांतिकारी परियोजना का मकसद भारत को समुद्र तथा बंदरगाह के माध्यम से पश्चिम एशिया के जरिए यूरोप से जोड़ना है। इस गलियारे से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और ज्यादा लचीलापन आएगा। इसे चीन के बोर्डर रोड इनिशिएटिव की काट के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि मल्टी कंट्री स्तर पर कनेक्टिविटी के जितने भी रूट बनेंगे, वो विश्व अर्थव्यवस्था को गति ही देंगे। चीन ने गलियारे को इसी भाव से लिया है। जी-20 के सदस्य देशों ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने, महामारी संबंधी तैयारियों को बढ़ाने और मौजूदा संक्रामक रोग निगरानी प्रणालियों को मजबूत करने के लिए अधिक लचीली, न्यायसंगत, टिकाऊ और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली बनाने का संकल्प लिया है। विश्व अर्थव्यवस्था और विभिन्न विकास क्षेत्रों में जोखिमों से निपटने में जी-20 की एकजुटता और आपसी सहयोग से घोषणा पत्र के समावेशी विकास के लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

जी-20 उद्घोष

डॉ. विनोद यादव

सुरक्षित व खुशहाल विश्व की कामना

'वसुधैव कुटुंबकम इन दिनों चर्चित इसलिए भी है कि इसी के सारगर्भित सूत्रवाक्य 'एक पृथ्वी, एक कुटुंब और एक भविष्य' की थीम के साथ भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुई है। हजारों वर्षों बाद भी आज दुनिया के तमाम देश शांति, सौहार्द और मैत्री भाव के लिए बुद्ध के जीवनचरित्र एवं बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग व विपश्यना साधना की शरण में जाते हैं। दुनिया शांति, बंधुत्व और उदारता में जितना निवेश करेगी, उतना ही जी-20 का दिल्ली घोषणा पत्र अर्थपूर्ण साबित होगा। वस्तुतः आज दुनिया को विभाजन की बजाय एकजुटता, टकराव की बजाय सहयोग और अलगाव की बजाय समावेशन की जरूरत है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। शांति, समरसता, अहिंसा और करुणा जैसे उदात्त मूल्य सदियों से हमारी लोकतांत्रिक विरासत की खूबसूरती को समृद्ध बनाते रहे हैं। 'वसुधैव कुटुंबकम' भारतीय संस्कृति की मूल विचारधारा है। महा-उपनिषद के अध्याय छः से लिया गया यह आदर्श वाक्य- 'अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुंबकम।।' हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूलमंत्र है। यह वाक्य भारतीय संसद के प्रवेश कक्ष में भी अंकित है। 'वसुधैव कुटुंबकम इन दिनों चर्चित इसलिए भी है कि इसी के सारगर्भित सूत्रवाक्य 'एक पृथ्वी, एक कुटुंब और एक भविष्य' की थीम के साथ भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुई है। आखिर संदेश की भावना को समझें।

रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत से ही भारत ने तटस्थ रुख रखते हुए इस मुद्दे से निश्चित दूरी बनाए रखी। इस दौरान भारत न तो रूस की आक्रामकता के साथ दिखा, न ही अमेरिका और यूरोपीय देशों की आक्रामक प्रतिक्रियाओं के सुर में सुर मिलाया। भारत ने हमेशा यही कहा कि यह युद्ध नहीं अपितु शांति और बंधुत्व को आत्मसात करने का समय है। दरअसल, भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति, सह-अस्तित्व और विश्व-बंधुत्व के आवाह्न न की सदियों से एक गौरवशाली विरासत रही है। दुनिया की तमाम सभ्यताएं जब कबीलाई संघर्ष के दौरान एक-दूसरे के राज्यों को हड़पकर अपना वर्चस्व कायम करने में मशगूल थे। तब ऋग्वैदिक ऋषियों ने उदघोष किया- 'सा संस्कृति विश्ववारा' अर्थात हमारी संस्कृति विश्व के कल्याण के लिए है। तब वेदांत दर्शन और उपनिषदों के रचयिता हमारे मनीषीगण 'सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित दुखभाग भवेत। इत्यादि शांति मंत्रों से पूरे विश्व समुदाय के लिए सुख, शांति और आरोग्यता की कामना कर रहे थे। आज महाविकास की प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जब दुनिया के अधिकतर देश अपने अहंकार, वर्चस्व की लड़ाई में हिंसा और टकराव के मार्ग पर अग्रसर हैं। तब भारत के चिरंतन शांति, सौहार्द और अहिंसात्मक संदेश की जरूरत और बढ़ गई है। आज पूरी वसुंधरा को एक परिवार की भांति संगठित करने की आवश्यकता है। महाविकास के इस संक्रामक दौर में तमाम देश प्राकृतिक संकटों से जूझ रहे हैं।

पूरी मानवता की सार्थक तरक्की के लिए भारत के ऋषियों ने वैदिक मंत्रों द्वारा जो शांति पाठ किया उसे विश्व के तमाम समाजशास्त्रियों द्वारा उसे सर्वोत्तम आवाह्न के रूप में मान्यता दी गई। उल्लेखनीय है कि यजुर्वेद के शांति पाठ 'द्यौः शांतिरंतरिक्षं शांतिः पृथिवी शांतिरापः शांतिरोषदयः शांतिः।' में धरती, आकाश, अंतरिक्ष, जल, वनस्पति, पर्यावरण आदि लौकिक जीवन से लेकर पारलौकिक शक्ति यानी सृष्टि के समस्त तत्त्वों एवं कारकों में शांति स्थापित करने की प्रार्थना की गई है। भारतीय संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम जैसी सार्वभौमिकता एवं लोककल्याण की भावना हजारों साल से समाहित है। भारतीय मनीषियों द्वारा ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वह विश्व को अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और नश्वरता से अमरता की ओर ले चलें। भारतीय संस्कृति धार्मिक सहिष्णुता और सहृदयता में विश्वास रखती है। अपनी योग्यता के वर्चस्व को शस्त्र की बजाय शास्त्र के बल पर प्रतिष्ठित करने में भारतीय मनीषा विश्वास रखती है। हालांकि पौराणिक कालखंड द्वापर युग में एक समय ऐसा भी आया जब अधर्म का उच्छेदन और धर्म की स्थापना के लिए हमारे पूर्वजों ने महाभारत का भीषण संग्राम देखा। इस महायुद्ध की विभिषिका से समस्त भारतवासियों ने फिर सबक लिया और योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से तमाम देशवासियों को धर्म, शांति, सह-अस्तित्व और परोपकार का संदेश दिया। गीता में व्यक्तिगत सुख-समृद्धि, मानसिक शांति और आत्मसंतोष के साथ-साथ पूरे परिवेश को शांतिमय बनाने के उपाय बताए गए।

धर्मांधता एवं संकुचित मनोवृत्ति का भारतीय संस्कृति में लेशमात्र भी स्थान नहीं है। भारत का इतिहास त्याग, बलिदान के अलावा खासतौर पर ग्रहणशीलता का इतिहास है। हमारी संस्कृति में प्रतिकूल परिस्थितियों को अपने अनूकूल बनाकर अपने में समाहित करने की अद्भुत शक्ति है। आज से लगभग ढाई हजार साल पहले गौतम बुद्ध और जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों को इतनी व्यवहारिकता से स्थापित किया कि मध्यकाल के पहले तक भारत पर आक्रमण करने वाले यवन, शक, कुषाण और हूण कबीलों ने भी भागवत और बौद्ध धर्म को आत्मसात कर लिया। उल्लेखनीय है कि हजारों वर्षों बाद भी आज दुनिया के तमाम देश शांति, सौहार्द और मैत्री भाव के लिए बुद्ध के जीवनचरित्र एवं बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग व विपश्यना साधना की शरण में जाते हैं। बुद्ध के करुणा, मंगल-मैत्री और अहिंसा परमो धर्म के उपदेशों के प्रचार-प्रसार के लंबे कालखंड के बाद मौर्यकाल में उनके इन सिद्धांतों की अग्निपरीक्षा का समय शुरू हो गया। इस दौरान पूरे दक्षिण एशिया में खूनी संघर्ष और मार-काट मचाते हुए हमलों का दौर शुरू हो गया। लेकिन भारतीय शासकों ने अभूतपूर्व धैर्य, अपूर्व शौर्य और साहस से इन तमाम बाहरी आक्रमणों को विफल कर दिया। सम्राट अशोक ने दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न भाषाओं में शांति, सद्भावना, सहिष्णुता और अहिंसा के अनगिनत शिलालेख व स्तंभ लेख स्थापित करवाए। विदेशी आक्रांताओं ने लगभग एक सहस्राब्दी तक बारंबार आक्रमणों से भारत को अशांत बनाए रखा। किंतु भारत शांति और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर हो चुका था। तमाम विसंगतियों के बावजूद भी भारत के शांति-उदघोष के स्वर को दबाया न जा सका।

मानव-सभ्यता की शुरुआत से लेकर वर्तमान समय तक भारत ने शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए बहुत कुछ अर्जित किया है। सम्राट अशोक से लेकर महात्मा गांधी तक शांति और अहिंसा को दुनिया के सामने अपनी ताकत के तौर पर प्रस्तुत किया है। गांधी के सत्य और अहिंसा पर आधारित सत्याग्रह की सामर्थ्य और क्षमता को दुनिया के तमाम देशों ने पहचाना है। संयुक्त राष्ट्र संघ गांधी जयंती को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। सर्वविदित है कि दुनिया शांति, बंधुत्व और उदारता में जितना निवेश करेगी, उतना ही जी-20 का दिल्ली घोषणा पत्र अर्थपूर्ण साबित होगा। वस्तुतः आज दुनिया को विभाजन की बजाय एकजुटता, टकराव की बजाय सहयोग और अलगाव की बजाय समावेशन की जरूरत है। जितना अधिकाधिक समावेशन, एकजुटता और परस्पर सहयोग होगा, हमारी पृथ्वी उतनी ही सुरक्षित रहेगी, हमारे परिवार में उतनी ही खुशहाली कायम रहेगी और हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।

(लेखक शिक्षाविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जी-20 शिखर बैठक

आर.के. सिन्हा

विश्व में बढ़ी भारत की साख

भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में अपने करीबी मित्र देशों जैसे बांग्लादेश, मारीशस, संयुक्त अरब अमीरत वगैरह को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित करके मित्र धर्म का निर्वाह किया। इसके साथ ही अब तक का सबसे भव्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जी- 20 शिखर बैठक दो वजहों से याद रखी जाएगी। पहला, जी 20 घोषणा पत्र पर सभी सदस्य देशों की सहमति बन गई। हालांकि, इस मसले पर चीन, कनाडा आदि देशों से विवाद होने की आशंका जताई जा रही थी। दूसरा, अफ्रीका यूनियन को भारत की पहल पर जी-20 में शामिल कर लिया गया जो "जी -20" में भारत की स्थिति को और मजबूत बनायेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा हमारी टीम की कड़ी मेहनत से ही नई दिल्ली जी-20 लीडर्स घोषणा पत्र पर आम सहमति बनी है। नई दिल्ली घोषणा पत्र में संसार के मजबूत, दीर्घकालीक, संतुलित और समावेशी विकास पर जोर दिया गया है। जी-20 नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की और माना कि यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर ख़तरों में से एक है। घोषणा पत्र में यह भी कहा गया, यूक्रेन में युद्ध के संबंध में बाली में हुई चर्चा को दोहराते हुए हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्तावों पर अपने रुख को दोहराया और इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के अनुरूप ही कार्य करना चाहिए। अफ्रीकन यूनियन का जी-20 का स्थाई सदस्य बनना इस बैठक की दूसरी बड़ी उपलब्धि रही। इसका प्रस्ताव भारत ने ही रखा था, जिसका सभी ने समर्थन किया। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा,' सबको साथ लेकर चलने की भावना से ही भारत ने प्रस्ताव रखा था कि अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की स्थाई सदयस्ता दी जाए। मेरा विश्वास है कि इस प्रस्ताव पर हम सब की सहमति है।"अफ्रीकन यूनियन के स्थाई सदस्य बनने से अफ्रीका के 55 देशों को फायदा मिलेगा। अफ्रीकन यूनियन की स्थापना 26 मई 2001 को अदीस अबाबा, इथियोपिया में हुई थी और 9 जुलाई 2002 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में इसे औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। इसने ऑर्गेनाइजेशन ऑफ अफ्रीकन यूनियन की जगह ली थी। वैश्विक जीडीपी में इसका योगदान 18.81 हजार करोड़ रुपये है।

भारत को अफ्रीका से जोड़ने में महात्मा गांधी की सबसे खास भूमिका रही थी। महात्मा गांधी ने अश्वेतों के हक दिलाने के लिये और नस्लवाद के लिए खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका के शिखर नेता नेल्सन मंडेला भी गांधी जी को अपना आदर्श बताते थे। वे लंबी जेल यात्रा से रिहा होने के बाद 1990 में दिल्ली आए थे। वह उनकी जेल से रिहा होने के बाद पहली विदेश यात्रा थी। भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया। भारत सरकार ने राजधानी में मंडेला के नाम पर एक प्रमुख मार्ग का नाम नेल्सन मंडेला मार्ग रखा। गांधी जी के विचारों से प्रभावित मंडेला 1995 में फिर भारत आए। नेल्सन मंडेला के नाम पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में साल 2004 में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कानफ्लिक्ट रेज़लूशन की स्थापना की गई। इस सेंटर की स्थापना मुख्य रूप से इसलिए की गई थी ताकि दुनियाभर में शांति और सदभाव के लिए भारत की तरफ से की जाने वाली कोशिशों का गहराई से अध्ययन हो सके। भारत तो सभी अफ्रीकी देशों से बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध रहा है। भारत अफ्रीका में बड़ा निवेशक है। अफ्रीका में टाटा, महिन्द्रा, भारती एयरटेल, बजाज आटो, ओएनजीसी जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही है। भारतीय कंपनियों ने अफ्रीका में कोयला, लोहा और मैगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी गहरी रुचि जताई है।

खैर, जी-20 शिखर सम्मेलन यादगार रहा है। यह कतई मामूली बात नहीं है कि जी-20 सम्मेलन के लिये राजधानी दिल्ली में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापान के पीएम फुमियो किशिदा, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी अल्बनीज, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के अलावा बाकी सदस्य देशों के मंत्री और नेता भी हाजिर रहे। यूं तो 1983 में नई दिल्ली में हुये गुटनिरपेक्ष सम्मेलन में जी-20 की तुलना में कहीं अधिक राष्ट्राध्यक्ष आये थे, पर वे ज्यादा बहुत छोटे और गरीब देशों से संबंध रखते थे। उनकी विश्व की कूटनीति या व्यापार में कोई खास हैसियत नहीं थी। यह मानना होगा कि दिल्ली को जी-20 शिखर सम्मेलन भारत मंडपम के रूप में एक बहुत शानादार उपहार दे गया। इसकी विज्ञान भवन से तुलना नहीं की जा सकती। भारत मंडपम की सुविधाओं के लिहाज से तुलना दुनिया के किसी भी श्रेष्ठ सभागार से की जा सकती है। भारत मंडपम को देखकर लगता है कि ये नये और समर्थ भारत का सशक्त प्रतीक है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'छिद्रान्वेषण', जो लोग दूसरों में ढूढ़ते हैं दोष

संकलित

दर्शन

लोग प्रायः दूसरों में दोष ढूंढ़ने में लगे रहते हैं। इसी को छिद्रान्वेषण कहते हैं। ऐसा करने वाले लोग अपने बड़े-बड़े दोषों को देखते हुए भी नहीं देख पाते। फिर भी दूसरों में दोष निकालने से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति न केवल स्वयं के लिए, अपितु समाज के लिए भी घातक है। इसी कारण समाज में ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य का परिवेश बनता है। इसका सर्वाधिक विपरीत प्रभाव उन लोगों के मनोबल पर पड़ता है, जो ईमानदारी से समाज और देश की सेवा कर जीवन यापन करना चाहते हैं। छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति अमूमन उन्हीं लोगों में देखने को मिलती है जो स्वयं बुराइयों के भंडार होते हैं। इससे उनकी सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर क्षरण होता है और स्वयं का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसीलिए चाणक्य ने कहा है, 'मनुष्य की यह प्रवृत्ति कभी अपने भीतर सद्गुणों का विकास नहीं होने देती।' परिणामस्वरूप मन, वाणी और कर्म तीनों कलुषित हो जाते हैं। महाभारत में दुर्योधन छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। उसने कभी अपने दोष देखने का प्रयास नहीं किया। इसीलिए उसके मन, वाणी और कर्म सभी कलुषित हो गए। एक बार गुरु द्रोण ने दुर्योधन और युधिष्ठिर दोनों को राज्य में साधु पुरुषों की गणना के लिए भेजा तो दुर्योधन को कोई साधु पुरुष मिला ही नहीं। यह दुर्योधन की छिद्रान्वेषी दुष्प्रवृत्ति का परिणाम था। इसके विपरीत युधिष्ठिर को कोई दुर्जन व्यक्ति नहीं मिला।

कभी भी अपने बल पर घमंड न करें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन

आज की पाती

जी-20 का मुख्य उद्देश्य

जी-20 का इस बार का थीम है- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। पृथ्वी एक परिवार है, इस परिवार में सारी दुनिया बसती है, परिवार का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब परिवार के सभी सदस्य मिलजुल काम करते हैं। इस बार दिल्ली में जो जी-20 का शिखर सम्मेलन हुआ, इसमें दुनिया ने भारत की संस्कृति की भी झलक देखी। इसमें शामिल दुनिया के कई देशों के दिग्गजों ने 'नमस्ते भारत' शब्दों का प्रयोग किया। सम्मेलन में जब दुनिया के बहुत से देश एक मंच पर इकट्ठे हुए तो दुनिया के सभी नागरिकों में एकता और सद्भावना का संदेश भी जरूर गया होगा। सभी ने यह उम्मीद भी लगाई होगी कि जी-20 सम्मेलन से ही विश्वव्यापी समस्याओं का हल बातचीत से निकलेगा।

- सुकैश जैन, राजनांदगांव

ट्रेंड

वाणिज्यिक संबंध बढ़ेंगे

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अल सऊद और मेरे बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने अपने व्यापार संबंधों की समीक्षा की और हमें विश्वास है कि आने वाले समय में हमारे देशों के बीच वाणिज्यिक संबंध और भी बढ़ेंगे।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सफल शिखर सम्मेलन

भारत आने पर ऐतिहासिक जी20 और भारतीय लोगों के इतने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद। वैश्विक खाद्य सुरक्षा से लेकर अंतरराष्ट्रीय भागीदारी तक, यह एक व्यस्त लेकिन सफल शिखर सम्मेलन रहा है।

-ऋषि सुनक, ब्रिटिश प्रधानमंत्री

ऋण मुद्दों पर प्रगति हुई

जी20 की अध्यक्षता के दौरान दुनिया में क्रिप्टो परिसंपत्तियों से निपटने पर एक एकीकृत दृष्टिकोण था, सॉवरेन डेट राउंडटेबल के भारत के संयुक्त नेतृत्व के माध्यम से एमडीबी सुधारों और ऋण मुद्दों पर महत्वपूर्ण प्रगति हुई।

-गीता गोपीनाथ, आईएमएफ उपनिदेशक

एकता में समृद्धि

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता मेंजी 20 की सफलता और दुनिया के बेहतर भविष्य के लिए राष्ट्रों के बीच एकता ने हर भारतीय के दिल में गौरव की भावना पैदा की है। सर, आपके नेतृत्व में हम एकता में समृद्ध होंगे।

-शाहरुख खान, अभिनेता

करंट अफेयर

रूस ने म्यांमार को दिए एसयू-30 फाइटर जेट्स

रूस ने म्यांमार को एसयू-30 लड़ाकू विमान की पहली खेप भेजी है। म्यांमार के ट्रेड मिनिस्टर ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए को ये जानकारी दी। सितंबर 2022 में रूस और म्यांमार ने 6 एसयू-30एसएमई लड़ाकू विमानों के लिए एग्रीमेंट साइन किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के शहर व्लादिवोस्तोक में आयोजित ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम से म्यांमार के ट्रेड मिनिस्टर चार्ली थान ने कहा की म्यांमार में रूस से अब तक 2 विमान डिलीवर किए जा चुके हैं। हालांकि, रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। म्यांमार की मिलिट्री का समर्थन करने पर अमेरिका ने रूस को कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

रॉयटर्स के मुताबिक अमेरिका ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस म्यांमार में सेना की सत्ता की मदद कर रहा है, जिसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। वो हथियार बेचकर एक ऐसी जंग को बढ़ावा दे रहा है जो पूरे म्यांमार के लिए तबाही बन गई है। रूस के रोसोबोरोन एक्सपोर्ट के मुताबिक, सुखोई एसयू-30एसएमई एक मल्टी-रोल फाइटर जेट है। ये फाइटर जेट दुश्मन के गहरे हवाई लक्ष्यों पर हमला करने, एयर-टू-एयर और एयर-टू-सरफेस टारेगट के लिए जाना जाता है। ये हर मौसम में काम करने में सक्षम है।

ऑफ बीट

बीएमआई नहीं बता सकता कि हम स्वस्थ हैं या नहीं

हम जानते हैं कि 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) किसी के वजन और उससे जुड़े स्वास्थ्य के आकलन के लिए उपयुक्त प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह

चिकित्सकों, जनसंख्या शोधकर्ताओं और निजी प्रशिक्षकों के लिए यह उपयोगी उपकरण बना हुआ है। बीएमआई लोगों को चार वजन श्रेणियों में वर्गीकृत करने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जांच विधि है : कम वजन (बीएमआई 18.5 से कम), सामान्य वजन (18.5 से 24.9), अधिक वजन (25.0 से 29.9) या मोटापा (30 या अधिक)। किसी के वजन को उसकी लंबाई के वर्ग से विभाजित करके इसका पता लगाया जाता है। बेल्जियम के गणितज्ञ लैम्बर्ट एडोल्फ जैकस क्यूटलेट (1796-1874) ने औसत पश्चिमी यूरोपीय व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं का पता लगाने के लिए 1832 में एक गणितीय मॉडल 'बीएमआई' को इजाद किया था। इसे शुरू में क्यूटलेट इंडेक्स कहा गया और इसे कभी भी चिकित्सकीय आकलन का उपकरण नहीं माना गया। 1972 में क्यूटलेट इंडेक्स को 'बॉडी मास इंडेक्स' कहा गया। गणितीय सूत्र का उपयोग करके किसी के स्वास्थ्य का पूरा आकलन करना संभव नहीं है। बीएमआई शरीर की अतिरिक्त चर्बी को नहीं मापता, यह केवल 'अतिरिक्त' वजन को मापता है।

6 हजार किमी लंबा होगा इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में जी 20 समिट ने दुनिया में भारत की भागीदारी के कई दरवाजे खोले हैं। समिट में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई। भारत, यूएई,सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय यूनियन सहित कुल 8 देशों के इस प्रोजेक्ट का फायदा इजरायल और जॉर्डन को भी मिलेगा। मुंबई से शुरू होने वाला यह नया कॉरिडोर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का विकल्प होगा। यह कॉरिडोर 6 हजार किमी लंबा होगा। इसमें 3500 किमी समुद्र मार्ग शामिल है। कॉरिडोर के बनने के बाद भारत से यूरोप तक सामान पहुंचाने में करीब 40% समय की बचत होगी। अभी भारत से किसी भी कार्गो को शिपिंग से जर्मनी पहुंचने में 36 दिन लगते हैं, इस रूट से 14 दिन की बचत होगी। यूरोप तक सीधी पहुंच से भारत के लिए आयात-निर्यात आसान और सस्ता होगा।

35 सौ किमी का होगा समुद्री मार्ग, इससे 40% कम समय में यूरोप पहुंचेगा भारतीय सामान

भारत से जर्मनी की दूरी सिर्फ 14 दिन में तय होगी

अभी भारत से जर्मनी पहुंचने में लगते हैं 36 दिन

बोला गया चीन

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि दिल्ली में जी-20 समिट में एक बार फिर अमेरिका ने अपनी पुरानी योजना को आगे बढ़ाया है। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने इस योजना के विस्तार का खाका पेश किया है। चीन का दुनिया में आइसोलेट करने के मकसद के साथ अमेरिका के इस प्रोजेक्ट को अभी अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। गल्फ और अरब देशों में रेललाइन का वादा किया गया है, लेकिन अमेरिका के पास वास्तविक इरादा और क्षमता नहीं है। अमेरिका ने एक बार फिर साबित किया है कि बोला ज्यादा गया, काम कम हुआ है।

इन वजहों से भारत प्रोजेक्ट से जुड़ा

- सबसे पहले भारत और अमेरिका इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में काम कर रहे थे, लेकिन पहली बार दोनों मिडिल ईस्ट में साझेदार बने हैं।
- भारत की मध्य एशिया से जमीनी कनेक्टिविटी की सबसे बड़ी बाधा पाकिस्तान का तोड़ मिल गया है। वह 1991 से इस प्रयास को रोकने की कोशिश कर रहा था।
- भारत के ईरान के साथ संबंध सुधरे हैं, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण ईरान से यूरेशिया तक के रूस-ईरान कॉरिडोर की योजना प्रभावित होती जा रही है।
- अरब देशों के साथ की भागीदारी बढ़ी है, यूएई और सऊदी सरकार भी भारत के साथ स्थायी कनेक्टिविटी बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।
- अमेरिका को उम्मीद है कि इस मेगा कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट से अरब प्रायद्वीप में राजनीतिक स्थिरता आएगी और संबंध सामान्य हो सकेंगे।
- यूरोपीय यूनियन ने 2021-27 के दौरान बुनियादी ढांचे के खर्च के लिए 300 मिलियन यूरो निर्धारित किए थे। भारत भी इसका भागीदार बना।
- नया कॉरिडोर चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का विकल्प है। कई देशों के चीन के कर्ज जाल से मुक्ति मिलेगी। जी-20 में अफ्रीकी यूनियन के भागीदार बनने से चीन और रूस के अफ्रीकी देशों में बढ़ती दादागीरी को रोकने में सहायता मिलेगी।

खबर संक्षेप

एआर रहमान के कॉन्सर्ट में भगदड़

चेन्नई। मशहूर संगीत उस्ताद एआर रहमान के कॉन्सर्ट में ठीक से व्यवस्था न होने के कारण दर्शकों की भीड़ को खड़े होने की जगह नहीं मिली। इतना ही नहीं कुछ दर्शकों के पास कॉन्सर्ट की टिकट भी थी, लेकिन भारी भीड़ होने के कारण उन्हें अंदर जाने की परमिशन नहीं मिली। इसके बाद भगदड़ मचना शुरु हो गई। लोगों की शिकायत के बाद एआर रहमान ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिक्रिया दी है। साथ उनके पैसे वापस करने का आश्वासन दिया है।

भतीजे अभिषेक को ईडी का समन

कोलकाता। टीएमसी नेता अभिषेक बेनर्जी को ईडी ने एक बार फिर समन भेजा है। प्रवर्तन निदेशालय की इस कार्रवाई पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अभिषेक बेनर्जी को परेशान किया जा रहा है। उसके खिलाफ कुछ भी नहीं है। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार उनके परिवार को बेवजह परेशान कर रही है। ममता बनर्जी ने इंडिया बनाम भारत पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जी-20 के कार्यक्रमों से इंडिया नाम को हटाना गलत है। आज एक सरकार है, कल दूसरी सरकार आ जाएगी।

उदयनिधि ने भाजपा को सांप बताया

चेन्नई। सनातन धर्म पर विवादित कमेंट करने के बाद तमिलनाडु सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने विरोधी पार्टियों पर निशाना साधा है। उदयनिधि ने भाजपा की तुलना जहरीले सांप से की। साथ ही उनके सहयोगी दल एआईएडीएमके को कूड़े का ढेर कहा। उदयनिधि कुड्डालोर जिले के नेवेली में डीएमके विधायक सभा राजेंद्रन की पारिवारिक शादी में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। बता दें कि इससे पहले भी अपने विवादित बयानों के लिए उदयनिधि विवादों में रहे हैं।

राजस्थान की राजनीति में मिर्धा परिवार का बड़ा कद

राजस्थान में कांग्रेस को लगा तगड़ा झटका जाट नेता ज्योति मिर्धा हुईं भाजपा में शामिल

▶▶ नई दिल्ली

राजस्थान में कांग्रेस की बड़ी नेता तथा पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गईं। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले यह कांग्रेस के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। चर्चा है कि भाजपा अगले लोकसभा चुनाव में ज्योति मिर्धा को नागौर से उम्मीदवार बना सकती है।

मिर्धा परिवार का राजस्थान की राजनीति में कई दशकों से दबदबा रहा है। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में ज्योति मिर्धा ने सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर राजस्थान भाजपा के प्रभारी अरुण सिंह तथा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भी मौजूद थे।

ज्योति मिर्धा ने कहा कि राजस्थान में बढ़ते महिला अत्याचार, ध्वस्त होती कानून-व्यवस्था एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी के कारण मैंने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार की सदस्य बनकर राष्ट्रनिर्माण में सदैव तत्पर रहूँगी।

नागौर से अगला लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं ज्योति

2009 में कांग्रेस के टिकट पर चुनी गईं थी सांसद

आरएलपी नेता एवं सांसद हनुमान बेनीवाल की बढ़ सकती है मुश्किल

दिग्गज जाट नेता नाथूराम मिर्धा की पोती हैं ज्योति

राजस्थान के दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती और पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आना इस जाट बाहुल्य इलाके में भाजपा का मास्टर स्ट्रोक कहा जा रहा है, तो वहीं इस बड़े सियासी उठापटक से आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल को एक तगड़ा प्रतिद्वंदी मिल गया है। गौरतलब है कि तकरीबन 70 साल पहले 1952 में नाथूराम मिर्धा ने सक्रिय सियासत में कदम रखा। इसके बाद में चार बार विधायक और छह बार लोकसभा सांसद रहे। मिर्धा के पुत्र भानु भी सांसद रह चुके हैं।

पूरा मिर्धा परिवार सियासी किस्मत आजमा चुका है

अब ज्योति मिर्धा के हाथों मिर्धा परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। मिर्धा परिवार से रामनिवास मिर्धा भी दिग्गज नेता रहे हैं, साथ ही विजयपाल मिर्धा, रिछपाल मिर्धा और हरेंद्र मिर्धा सरीखे नेता भी इस परिवार से अपनी सियासी किस्मत आजमा चुके हैं। ज्योति ने साल 2009 में लोकसभा चुनाव जीत कर अपनी सियासी पारी की शुरुआत की थी। हालांकि 2014 और 2019 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

जाट बाहुल्य इलाकों पर पड़ सकता है असर

भाजपा के इस मास्टर स्ट्रोक से न सिर्फ नागौर की सियासत पर असर पड़ेगा, बल्कि राजस्थान के जाट बाहुल्य इलाकों में इसका असर देखने को मिल सकता है। गौरतलब है कि ज्योति मिर्धा नागौर से कांग्रेस सांसद रह चुकी है। साल 2019 में कांग्रेस ने उन्हें नागौर में हनुमान बेनीवाल के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा था हालांकि चुनाव में ज्योति मिर्धा को हनुमान बेनीवाल से शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

राम मंदिर पर उद्धव ठाकरे का बयान

भाजपा बोली- कुछ लोग सत्ता के लालच में आज क्या कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राम मंदिर पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए निंदा की है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को कहा, मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि यह पूरा गठबंधन, जो पीएम मोदी के खिलाफ है, वोट के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी ठाकरे के बयान के बाद उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बालासाहेब (शिवसेना के दिवंगत संस्थापक और उद्धव ठाकरे के पिता) ने आज क्या सोचा होगा और सत्ता के लालच में उद्धव ठाकरे आज क्या कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी इस बयान के बाद उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बालासाहेब (शिवसेना के दिवंगत संस्थापक और उद्धव ठाकरे के पिता) ने आज क्या सोचा होगा और सत्ता के लालच में उद्धव ठाकरे आज क्या कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा, कुछ लोग सत्ता के लालच में अपनी विचारधारा भूल गए हैं। जब सनातन धर्म के बारे में इतनी सारी बातें कही गईं तो राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे ने एक शब्द भी नहीं कहा। रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं भगवान राम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि उन्हें कुछ सद्बुद्धि दें. ये एक शर्मनाक और अशोभनीय टिप्पणी है। हम इसकी निंदा करते हैं। खबरों के अनुसार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को जलगांव में एक जनसभा के दौरान ये टिप्पणी की थी।

उद्धव ठाकरे ने क्या कहा था?

उद्धव ठाकरे ने कहा था, आने वाले दिनों में राम मंदिर का उद्घाटन होगा। संभावना है कि उद्घाटन के लिए देशभर से कई हिंदुओं को बुलाया जाएगा और समारोह खत्म होने के बाद लोगों के लौटने पर वे गोधरा कांड जैसा कुछ कर सकते हैं। राम मंदिर का उद्घाटन जनवरी 2024 में होने की संभावना है।

ममता ने बदले मंत्रियों के विभाग

बाबुल सुप्रियो से पर्यटन छीन इंद्रनील को दी जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की स्पेन और दुबई यात्रा से पहले कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा जोरों पर थी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपनी रवानगी से पहले सोमवार को कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल कर दिया। इस फेरबदल से दो बातें स्पष्ट हैं। एक तो ममता ने बाबुल सुप्रियो की जिम्मेदारी कम कर दी।

साथ ही वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक की अहमियत बढ़ गई है। बाबुल से पर्यटन विभाग छीन कर इंद्रनील सेन को दे दिया है। इंद्रनील पूर्व में पर्यटन विभाग के स्वतंत्र प्रभार मंत्री थे। वन के साथ, सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक पुनर्निर्माण कार्यालयों में से एक ज्योतिप्रियो को दिया गया है। अब बाबुल के पास आइटी और इलेक्ट्रानिक्स के अलावे पर्यटन की जगह असामान्य ऊर्जा विभाग रहेगा।

शिवाजी के खिलाफ पोस्ट से भड़की हिंसा

पथराव-आगजनी, 2 की मौत, 8 घायल; इलाके में इंटरनेट बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के सतारा जिले की खटाव तहसील में रविवार 10 सितंबर की रात एक समुदाय ने दूसरे समुदाय के लोगों के घरों पर पथराव किया, जिसके बाद वहां हिंसा भड़क गई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। 9 सितंबर को एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर शिवाजी महाराज के खिलाफ पोस्ट की थी। इसके बाद से तनाव का माहौल था। पुसेसावाली गांव से हिंसा शुरू हुई थी। हालात काबू करने के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

पुलिस ने पोस्ट करने वाले व्यक्ति को हिरासत में लिया

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि लगभग एक हजार लोगों की भीड़ ने गांव में पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और आगजनी की। उन्होंने सड़क किनारे खड़े वाहनों में भी आग लगा दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद सातारा के एसपी समीर शेख पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

जालना के आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस होंगे

मराठा आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक में सीएम शिंदे का ऐलान, विरोध में ठाणे बंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर मराठा समाज ने ठाणे बंद का ऐलान किया है। मराठा आंदोलन पर सीएम एकनाथ शिंदे ने सर्वदलीय बैठक में ऐलान किया कि जालना में आंदोलनकारियों पर दर्ज सभी मुकदमे तत्काल वापस लिए जाएंगे। राज्य में मराठा आरक्षण आंदोलन के संबंध में जो भी अपराध दर्ज किए गए हैं उन्हें वापस लिया जाएगा। बैठक में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के अलावा राधाकृष्ण विखे पाटिल, सुनील तटकरे, रेखा ठाकुर, कपिल पाटिल, छगन भुजबल, अनिल परब, राजेश टोपे, जयंत पाटिल, सदाभाऊ खोत, संभाजी राजे, बालासाहेब थोराट, विजय वड्डेटीवार शामिल रहे।

प्रदर्शनकारियों की क्या हैं मांगें

मराठा आरक्षण के लिए पिछले कुछ हफ्तों से भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल ने महाराष्ट्र सरकार के साथ व्यापक बातचीत की है। जरांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में बदलाव की मांग की है। उनका रुख है कि जब तक अध्यादेश में अपेक्षित बदलाव नहीं किया जाता, आमरण अनशन जारी रहेगा। अध्यादेश में कहा गया है कि मराठवाड़ा के जिन लोगों की वंशावली में कुनबी का उल्लेख है, उन्हें कुनबी मराठा के रूप में जाति प्रमाण पत्र दिया जाएगा। हालांकि, मनोज जारांगे पाटिल ने मांग की है कि अध्यादेश को बदला जाए ताकि महाराष्ट्र के सभी मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र दिया जाए क्योंकि उनके पास कोई वंशावली दस्तावेज नहीं हैं।

140 भेड़ों की मौत भी हो गई

बारिश से आफत! यूपी में 19 लोगों की मौत, उत्तराखंड में भूस्खलन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश की वजह से लोगों पर आफत टूट पड़ी है। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं जबकि दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव देखा गया। यूपी में बारिश से जुड़ी अलग अलग घटनाओं में 19 व्यक्तियों और 140 भेड़ों की मौत हो गई। बारिश के कारण उत्तराखंड में भी भूस्खलन हुआ है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए अगले कुछ दिनों में और भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

आईएमडी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। बारिश के इस मौसम में आप सभी लोगों से आग्रह है कि कच्चे और भारी जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने दिल्ली में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और एक या दो जगहों पर बारिश की संभावना जताई है. तटीय आंध्र प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने कहा कि 11 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है. तेलंगाना के हैदराबाद में भी भारी बारिश हुई है।

महिला एडवोकेट ने जोरदार तरीके से पेश किया केस

सीजेआई ने कहा ऐसी ही संजीदगी दिखना चाहिए

महिला एडवोकेट के तेवरों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को भी इंप्रेस कर दिया,वकीलों को दे दिया बड़ा सुझाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तारीख पर तारीख और तारीख। भारत की अदालतों की एक बड़ी व्यथा है। वकील केस में बहस करने के बजाए तारीख लेने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के कई जज इस बात पर आपत्ति जता चुके हैं।

लेकिन इन सारे घटनाक्रमों के बीच एक महिला एडवोकेट के तेवरों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को भी इंप्रेस कर दिया। वकील की बहस सुनकर वो इस कदर प्रभावित हुए कि रिट को डिसमिस कर बोले- उम्मीद है कि आपकी बहस फिर से अपनी कोर्ट में देखने को मिली। वकील ने जिस तरह से अपनी पीआईएल के लिए दलीलें पेश कीं वो सीजेआई को इंप्रेस कर गईं। उनका कहना था कि अपने केस को लेकर ऐसी ही संजीदगी दिखनी चाहिए। वकीलों को अपने केस को लिस्ट कराने के लिए एड़ी चोटी का जोर मारना चाहिए।

केस को लिस्ट कराने के लिए एडी चोटी का जोर जरूरी

सीजेआई खुद करते हैं पीआईएल की सुनवाई

एक रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई कोर्ट नंबर 1 में पीआईएल की सुनवाई कर रहे थे। हालांकि जनहित याचिकाओं पर पहले कई अदालतों में सुनवाई हो जाती थी। लेकिन नए नियम के तहत सीजेआई ने ऐसी सारी याचिकाओं पर खुद सुनवाई करने का फैसला किया है। इसी क्रम के तहत महिला वकील ने अपना केस सीजेआई के सामने रखा। एडवोकेट ने दलीलें देकर बताने की कोशिश की कि ये केस कितना अहम है।ध्यान रहे कि अक्सर वकील केस की सुनवाई के दौरान तारीख लेने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं। उनके इस रवैया पर सुप्रीम कोर्ट के एक जस्टिस ने तीखी टिप्पणी भी की थी। उनका कहना था कि शीर्ष अदालत तक पहुंचने में किसी भी शख्स का बहुत सारा पैसा और समय लगता है। ऐसे में वकीलों को चाहिए कि वो केस की सुनवाई के दौरान अपनी दलीलें कोर्ट में रखें। लेकिन एडवोकेट तुरंत तारीख लेने की जुगत भिड़ाने लग जाते हैं।

समय के साथ कदमताल

घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियों के बीच स्त्रियां अपने आप को ही कहीं भूल सी जाती हैं। ऐसे में उन्हें जरूरत है समय के साथ कदम मिलाने की। सकारात्मक सोच के साथ जिंदगी के कुछ सबक सीखे

आप घर से ऑफिस और ऑफिस से घर तक ही सीमित रह गई हैं अगर जवाब हां में है तो कुछ बातों को जीवन में उतारकर अपनी पुरानी सी और एक ही ढर्रे पर चलने वाली जिंदगी को बाय-बाय करना होगा। वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोडा सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

कुछ जरूरी टिप्स

कामकाजी स्त्री के लिए मॉर्निंग वॉक पर जाना थोडा कठिन जरूर होता है लेकिन अपने आप को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। दिन भर में कम से कम 30-35 मिनट अपने लिए जरूर निकालें। सुबह की सैर करने से मन में ताजगी आती है और दिन भर काम करने की ऊर्जा मिलती है। यदि मॉर्निंग वॉक पर न जा सकें तो योग और व्यायाम से भी चेहरे की चमक और रौनक हासिल की जा सकती है।भडकीले रंगों यायादा एंब्रॉयडरी वाले कपडों को पार्टी या इवेंट्स के लिए ही रखें। अपने वॉर्डरोब में रोजमर्रा पहनने वाले सिंपल और कंफर्टेबल आउटफिट्स की संख्या बढाएं। फैशन ट्रेंड्स को फॉलो करना सही है, लेकिन वही पहनें जिसमें सहज रह सकें।

घर हो या ऑफिस, दोनों जगह जो बात जीवंत और प्रसन्न बनाए रख सकती है, वह है- ज्ञान या नॉलेज। खुद को समय के साथ चलने लायक बनाना है तो रोज कम से कम एक समाचार पत्र पढें, पत्रिकाएं लें, साथ ही सोशल गैदरिंग का हिस्सा बनें। नौकरी करती हों या होम मैनेजर हों, खुद को हमेशा सीखने के लिए तैयार रखें।

चेहरे की रौनक बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें। भोजन पौष्टिक हो। इसके अलावा 6 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि चेहरा थका-थका सा न लगे।

अगर मानसिक थकान हो तो बचों के साथ खेलें, उनसे बातें करें, संगीत सुनें या फिर बागवानी जैसे काम करें। इन कार्यों से थकान गायब होती है और कुछ क्रिएटिव करने का सुकून भी मिलता है।

घर या ऑफिस में कई उलझनें अकसर परेशान करती हैं। कई बार खुद तक सीमित रखने से मन की उलझनें बढती जाती हैं। ऐसे में किसी दोस्त या भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात शेयर करें। हो सकता है, जिस समस्या का हल आपको न मिल पा रहा हो, उसका कोई हल उसके पास हो।वीकेंड पर घर में अकेले बैठे रहने के बजाय बचों के साथ पार्क जाएं, पिकनिक करें, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने जाएं या घर पर ही किसी को आमंत्रित करें। इससे दिनचर्या की एकरसता टूटेगी और नई ऊर्जा भी मिलेगी।सादगी में एक खूबसूरती छिपी है लेकिन कभी-कभी हलका मेकअप करना, खुद को अछी तरह संवारना भी जरूरी है। अपना पर्सनल स्पेस निकालें और महीने-दो महीने में एक बार फेशियल कराएं या स्पा लें। इससे स्ट्रेस दूर होगा और चेहरे की मसाज होने से थकान भी कम होगी।अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। पडोस में रहने वाले लोगों से संपर्क बनाए रखें और अपनी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के कार्यक्रमों में भागीदारी करें। इससे सामाजिक व्यवहार बना रहेगा और किसी मुश्किल वक्त में पडोस के लोग काम भी आएंगे।अगर घर में रहते हुए कुछ करना चाहती हैं तो अपने समय से एक-दो घंटे निकालें और बचों को पढाएं। हो सकता है, आसपास कुछ बचों को आपकी जरूरत हो।

आयुर्वेद

पेट खराब हो तो पिएं सेब के सिरके को इसमें मिलाकर, जानें ये बातें भी..

अकसर लोग पेट में अपच, गैस बनने, कब्ज, पेट दर्द आदि से परेशान दिखते हैं। अब मानसून का मौसम है, जब ये बीमारियां और भी अधिक गंभीर रूप ले लेती हैं। आपका अछा स्वास्थ्य पेट से जुड़ा होता है। आपका पेट आपके मस्तिष्क से जुड़ा है, इसलिए इसका स्वास्थ्य आपके मूड, हार्मोन्स, वजन और पूरे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है

अकसर लोग पेट में अपच, गैस बनने, कब्ज, पेट दर्द आदि से परेशान दिखते हैं। अब मानसून का मौसम है, जब ये बीमारियां और भी अधिक गंभीर रूप ले लेती हैं। आपका अछा स्वास्थ्य पेट से जुड़ा होता है। आपका पेट आपके मस्तिष्क से जुड़ा है, इसलिए इसका स्वास्थ्य आपके मूड, हार्मोन्स, वजन और पूरे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। संक्रमण वाले इस मौसम में आप अपने पेट को कुछ आयुर्वेदिक उपायों से दुरुस्त रख सकते हैं।

सेब का सिरका पेट दर्द में सेब का सिरका बेहद लाभदायक साबित होता है। इसमें पेक्टिन की पर्याप्त मात्रा होने के कारण ये पेट दर्द से राहत पहुंचाता है। इसका अम्लीय गुण खराब पेट के संक्रमण को ठीक करने में कारगर साबित होता है। इसके लिए आप एक कप गर्म पानी में एक चम्मच सेब का सिरका और शहद मिलाकर पिएं।

गाजर पेट खराब होने की स्थिति में अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो मुश्किल और बढ़ सकती है। इसको दूर करने के लिए और खराब पेट को ठीक करने के लिए आपको गाजर का जूस पीना चाहिए। गाजर का जूस पीने से पेट ठीक रहता है। जूस में पुदीने का रस भी मिला लें तो आपके पेट को ठंडक मिलेगी।

अदरक अदरक को एंटीबायोटिक माना जाता है, जो शरीर से कीटाणुओं को नष्ट करता है। यह पेट दर्द में भी आपको राहत देता है। पेट खराब होने पर अदरक को पीस लें और इसका रस लें। या एक चम्मच अदरक का रस, दो चम्मच नीबू का रस लें और उसमें थोड़ी सी शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा।

मेथी दाना पेट दर्द के लिए मेथी दाना भी बेहद फायदेमंद रहता है। इसके लिए थोड़े से मेथी दाने को पानी में भिगोएं, फिर इसका पेस्ट बना लें। इसे 200 ग्राम दही के साथ मिलाकर दिन में दो बार लें, आराम मिलेगा।

जीरा: यदि आपको लगातार दस्त हो रहा है तो जीरा आपके लिए लाभदायक साबित होगा। एक चम्मच जीरे को चबा कर खा लें और पानी पी लें, तुरंत राहत महसूस होगी। यदि आप जीरे को चबा कर नहीं खाना चाहते तो एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच जीरा डाल कर इसका सेवन करें, पेट ठीक हो जाएगा।

दही या छाछ : दही में मौजूद बैक्टीरिया पाचन तंत्र का संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही पेट में ठंडक बनाए रखता है। इससे पेट जल्दी ठीक हो जाता है। 250 ग्राम छाछ में लगभग ढाई चम्मच शहद मिलाकर तीन बार पीने से दस्त से राहत मिलती है।

खूब पानी पिएं: पेट खराब होने पर अधिक मात्रा में पानी पीना चाहिए। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती।

हर्बल टी: हर्बल टी में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। इससे पेट को राहत मिलती है।

बेल का शरबत बेल का शरबत पेट के लिए फायदेमंद रहता है। इसमें फाइबर होने के कारण ये पेट को जल्दी आराम पहुंचाता है।

केला अगर आप बार-बार हो रहे मोशन से परेशान हो चुके हैं तो केले का इस्तेमाल राहत देगा। इसमें मौजूद पेक्टिन पेट को बांधने का काम करता है। इसमें मौजूद पोटैशियम की उच मात्रा भी शरीर के लिए फायदेमंद होती है।

हींग: गैस से राहत के लिए हींग का सेवन करें। हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बचों के पेट में दर्द होने पर थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बचे की नाभि के चारों ओर लगा दें, आराम मिल जाएगा।

अनार : अनार का सेवन करने से पेट दर्द में जल्द ही राहत मिल जाती है। इसके लिए अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। दिन में दो बार लेते रहें।

सौंफ : सौंफ का सेवन करने से हमारा हाजमा ठीक होता है।

जलवायु परिवर्तन और भारत की चुनौतियां

न्यूयॉर्क में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर हाल ही में आयोजित बैठक में स्वीडिश छात्रा ग्रेटा थनबर्ग ने सौ से भी अधिक देशों के प्रतिनिधियों को दो तीखे बयान दिए। पहला, आपने अपनी खोखली बातों से मुझसे मेरा बचपन छीन लिया। और दूसरा, आप सभी, हम युवाओं के पास (पर्यावरण को पहुंचे नुकसान को कम करने की...) उम्मीद लेकर आए हैं। आप लोगों की हिम्मत कैसे हुई? जैसा कि ग्रेटा के वक्तव्य पर दी हिंदू के 1 नवंबर के अंक में कृष्ण कुमार का संवेदनशील विश्लेषण कहता है, वहां मौजूद (देश के प्रतिनिधि) श्रोताओं ने यह नहीं स्वीकारा कि जलवायु परिवर्तन के लिए उनके उद्योग ज़िम्मेदार हैं; इसकी बजाय वे इस बात पर सहमत हुए कि वे आने वाले दशक में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के सुविधाजनक लक्ष्यों को पूरा करेंगे। कृष्ण कुमार अपने लेख में आगे बताते हैं कि ना सिर्फ हर अमीर देश, बल्कि सभी देशों में रहने वाले प्रत्येक अमीर व्यक्ति को अब भी यह लगता है कि वे अपने और अपनी संतानों के लिए जलवायु परिवर्तन की समस्याओं से राहत खरीद सकते हैं और उन्हें जलवायु परिवर्तन के परिणामों से बचा सकते हैं।

कार्बन-प्रचुर जीवाश्म ईंधन को जला-जलाकर, जो 1750 के दशक में औद्योगिक क्रांति के साथ शुरू हुआ था, ही पृथ्वी का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। तापमान में यह वृद्धि मानव जीवन, जानवरों, पेड़-पौधों और सूक्ष्मजीवों को प्रभावित कर रही है। समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है, और इसलिए ग्रेटा का यह आरोप पत्र है। 2015 में दुनिया भर के देश पेरिस में इकट्ठे हुए थे और तब 197 देशों ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे कि वे साल 2030 तक वैश्विक तापमान को उद्योग-पूर्व स्तर से 1.5 डिग्री से अधिक नहीं होने देंगे। इन हस्ताक्षरकर्ता देशों में भारत भी शामिल था। विष्णु पद्मनाभन ने अपने ब्लॉग में भारत के समक्ष तीन बड़ी जलवायु चुनौतियों का ज़िक्र किया है। भारत ने वादा किया है कि वह साल 2015 की तुलना में, साल 2030 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 33-35 प्रतिशत तक कम करेगा। ऐसा लगता है कि यह ज़रूरी है और इसे पूरा भी किया जा सकता है। लेकिन इसे पूरा करने में भारत के सामने पहली चुनौती यह है कि भारत का ज़्यादातर कार्बन उत्सर्जन (लगभग 68 प्रतिशत) ऊर्जा उत्पादन से होता है, जो अधिकतर कोयला आधारित है। इसके बाद उद्योगों (लगभग 20 प्रतिशत) और खेती, खाद्य और भूमि उपयोग (10 प्रतिशत) का नंबर है। इसलिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम ऊर्जा के अन्य साधनों या रुोतों का उपयोग करें, जैसे पनबिजली, पवन, सौर, नाभिकीय ऊर्जा वगैरह। भारत को उम्मीद है कि वह अपनी 40 प्रतिशत ऊर्जा इस तरह के गैर-कोयला रुोतों से प्राप्त कर पाएगा।

दूसरी चुनौती- खेती, भूमि उपयोग और जल संसाधनों की बात करें तो ये भी जलवायु परिवर्तन में योगदान देते हैं। कैसे? न्यूनतम समर्थन मूल्य, सब्सिडी (रियायतें), 24 घंटे मुफ्त बिजली प्रदाय और अधिक पानी की ज़रूरत वाली फसलें इसके कुछ कारण हैं। समय आ गया है कि हमें इन्हें रोकें और जांचे-परखे तरीकों को अपनाएं और नवाचारी तरीकों पर काम करें। इनमें से कुछ तरीके हैं ड्रिप या टपक सिंचाई (जैसा कि इरुाइल ने किया है), एयरोबिक खेती (जो पानी की बचत के लिए खेती का एक तरीका है और इसमें खास गुणधर्मों के विकास पर शोध किया जाता है ताकि जड़ें अच्छे से फैलें और ज़मीन में गहराई तक जाएं (जैसा कि बैंगलुरू की युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस ने किया है), बेहतर और अधिक पौष्टिक अनाज। भारत की सबसे अधिक पानी की खपत करने वाली फसल धान पर इस तरीके को आज़मा कर पानी की बचत की जा सकती है। किसानों के बीच अधिक पौष्टिक किस्मों (जैसे सीसीएमबी और एनआईपीजीआर द्वारा विकसित साम्बा मसूरी) को बढ़ावा देना चाहिए। इत्तफाकन इस किस्म में कार्बोहाईड्रेट भी कम है तो यह डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए अच्छी भी है। नरवाई (पराली) जलाना पूरी तरह बंद होना चाहिए, हमें इसके बेहतर रास्ते तलाशने होंगे। इसके लिए किसी रॉकेट साइंस की ज़रूरत नहीं है, भारतीय वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ यह कर सकते हैं। उन्हें इससे निपटने के बेहतर और सुरक्षित तरीके ढूंढने चाहिए।

और तीसरी चुनौती है प्राकृतिक तरीकों से वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर को कम करना। इसके लिए वनीकरण और स्थानीय किस्मों के पौधारोपण बढ़ाना चाहिए। यहां फिलीपींस सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का अनुसरण करना फायदेमंद होगा। फिलीपींस में प्रत्येक छात्र/छात्रा को अपना स्कूली प्रमाण पत्र या कॉलेज की डिग्री प्राप्त करने के पहले 10 स्थानीय पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करनी होती है। दरअसल स्थानीय पेड़ पानी सोखकर उसे जमीन में पहुंचाते हैं।

भारत ने वृक्षारोपण और वनीकरण के माध्यम से अतिरिक्त 'कार्बन सोख्ता' बनाने की योजना बनाई है ताकि ढाई से तीन अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड कम की जा सके। कई अध्ययन बताते हैं कि कैसे जलवायु परिवर्तन और बढ़ता वैश्विक तापमान धीरे-धीरे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन गए हैं। 2010 में दी न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एमिली शुमैन का पेपर - वैश्विक जलवायु परिवर्तन और संक्रामक रोग - बताता है कि जब हम जीवाश्म ईंधन जलाते हैं तो तापमान में वृद्धि होती है, जिससे ग्रीष्म लहर (लू) चलती है और भारी वर्षा होती है। यह कीटों (और उनमें पलने वाले जीवाणुओं और वायरस) के पनपने के लिए माकूल वातावरण होता है। गर्म होती जलवायु की बदौलत ही हैजा, डायरिया जैसे जल-वाहित रोगों के अलावा मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां भी बढ़ी हैं। ये बीमारियां हर भौगोलिक परिवेश में बढ़ रही हैं- पहाड़ी इलाके, ठंडे इलाके, रेगिस्तान जैसे गर्म इलाके और तटीय इलाके। इसी संदर्भ में वी. रमना धारा द्वारा साल 2013 में इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एक अन्य महत्वपूर्ण पेपर - जलवायु परिवर्तन और भारत में संक्रामक रोग- स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए निहितार्थ - बताता है कि किस तरह समुद्र की सतह के बढ़ते तापमान के कारण ऊष्णकटिबंधीय इलाकों में चक्रवात और तूफानों की संख्या बढ़ रही है जिससे बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के तटीय इलाकों में प्रदूषित पानी, अस्वास्थ्यकर परिस्थितियां, जनसंख्या का विस्थापन, विषैलापन, भूख और कुपोषण जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। कुछ बीमारियां जानवरों से मानवों में फैलती हैं और कुछ मानव से मानव में।

इसका सबसे हालिया उदाहरण है निपाह वायरस जो चमगाड़ों से मानव में फैलता है। इस मामले में केरल सरकार द्वारा उठाए गए त्वरित कदम सराहनीय हैं जिसमें सरकार ने संक्रमित लोगों को अलग-थलग करने की फौरी व्यवस्था की थी। सौभाग्य से, हमारी कई प्रयोगशालाएं और दवा कंपनियां, अन्य बीमारियों के लिए स्थानीय वनस्पति रुोतों से दवाइयों और टीकों का निर्माण करने में स्वयं व अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर अनुसंधान कर रही हैं। हम इस कार्य को बखूबी कर सकते हैं और विश्व में इस क्षेत्र के अग्रणी भी बन सकते हैं।

नन्हे ब्लैक होल भी संभव हैं

ब्लैक होल विशाल खगोलीय पिंड हैं जो आसपास की हर चीज़ को निगल जाते हैं। इनका गुरुत्वाकर्षण इतना अधिक होता है कि प्रकाश तक इससे बच नहीं सकता। ब्लैक होल मूलतः विशाल तारे ही थे जो विस्फोटक अंत के बाद ब्लैक होल में परिवर्तित हुए हैं, इसलिए इनके अध्ययन से ब्रह्मांड के कामकाज और तारों के जन्म और मृत्यु की गाथा तैयार करने में मदद मिलती है। तारों के ऐसे विस्फोटक अंत और पतन के बाद दो अलग-अलग तरह के पिंड बन सकते हैं। यदि मूल तारा पर्याप्त विशाल था, तो विस्फोट के बाद वह ब्लैक होल बन जाता है, अन्यथा वह एक छोटे न्यूट्रॉन तारे में परिवर्तित हो जाता है। ब्लैक होल जब अपने आसपास के तारों से पदार्थ चूसते हैं तब एक्स किरणों का उत्सर्जन होता है। इन्हीं एक्स किरणों की मदद से ब्लैक होल का पता चलता है। दूसरी ओर, दूर की निहारिकाओं में, दो ब्लैक होल के विलय या न्यूट्रॉन तारों की टक्कर से उत्पन्न होने वाली गुरुत्व तरंगें इनका सुराग देती हैं। शोधकर्ताओं के एक समूह ने सोचा कि क्या अपेक्षाकृत कम द्रव्यमान वाले ब्लैक होल भी हो सकते हैं जो लाक्षणिक एक्स-किरणों का उत्सर्जन नहीं करेंगे। एक संभावना यह है कि ऐसा कोई (फिलहाल काल्पनिक) ब्लैक होल किसी अन्य तारे के साथ बाइनरी तंत्र में मौजूद हो। इसमें वह दूसरे तारे से इतना दूर हो सकता है कि वह उसके पदार्थ को ज़्यादा न निगल सके। ये छोटे ब्लैक होल इतनी एक्स-किरणों का उत्सर्जन नहीं करेंगे जिन्हें देखा जा सके। तो ये खगोलविदों की नज़रों से अदृश्य रहेंगे। थॉमसन की टीम ने ऐसे संभावित ब्लैक होल की तलाश में बाइनरी सिस्टम के उस दूसरे पिंड में सबूत खोजने की कोशिश की है। शोधकर्ताओं ने एपोजी दूरबीन में उपलब्ध प्रकाश वर्णक्रम की जानकारी को खंगाला। यहां आकाशगंगा के 1 लाख से अधिक तारों द्वारा उत्सर्जित विभिन्न तरंग लंबाइयों के प्रकाश सम्बंधी जानकारी थी। इस सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी से प्रत्येक तारे के बदलते वर्णक्रम यानी उनसे निकलने वाले प्रकाश में बदलती तरंग लंबाइयों का पता चला। यदि शोधकर्ता वर्णक्रम में किसी भी प्रकार का बदलाव देखते यानी यदि उसकी तरंग लंबाइयां लाल या नीले रंग की ओर खिसकती दिखती तो इसका मतलब यह होता कि वह तारा एक अनदेखे साथी के साथ परिक्रमा कर रहा है। इसके बाद, शोधकर्ताओं ने एक अन्य सर्वेक्षण आल-स्काई ऑटोमेटेड सर्वे फॉर सुपरनोवा की मदद से उन तारों की चमक में बदलाव को देखा जिनके बारे में संदेह था कि वे ब्लैक होल की परिक्रमा कर रहे हैं। उन्होंने उन तारों की खोज की जिनका प्रकाश लाल और नीले की ओर सरकने के साथ-साथ तेज़-मद्धिम भी हो रहा था। इस प्रकार शोधकर्ताओं ने पाया कि आकाशगंगा में 10,000 प्रकाश वर्ष दूर औरिगा तारामंडल के पास एक तारा है जो किसी एक विशाल अदृश्य पिंड के साथ गुरुत्वाकर्षण से बंधा लगता है। अनुमान है कि उस अदृश्य पिंड का द्रव्यमान सूर्य से 3.3 गुना अधिक होगा। यह एक न्यूट्रॉन तारे की तुलना में काफी बड़ा है लेकिन इतना भी बड़ा नहीं कि इसकी तुलना किसी ज्ञात ब्लैक होल से की जा सके। सबसे बड़े ज्ञात न्यूट्रॉन स्टार का द्रव्यमान सूर्य से 2.1 गुना ज़्यादा है जबकि सबसे छोटा ज्ञात ब्लैक सूर्य के मुकाबले 5-6 गुना वज़नी है। ब्रह्मांड विज्ञानी डेजन स्टोकोविक का विचार है कि यह शायद कम द्रव्यमान का ब्लैक होल है। दूसरी ओर थॉमसन का विचार है कि यह संभवतः आज तक ज्ञात सबसे वज़नी न्यूट्रॉन स्टार है।

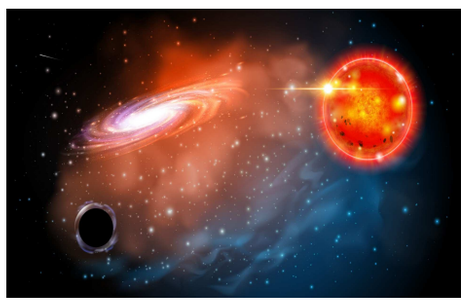

राजीविका द्वारा महिलाओ को स्वरोजगार प्रशिक्षण देकर बनाया जा रहा है आत्मनिर्भर

चमकता राजस्थान,अजमेर जिला ब्यूरो चीफ,रघुनंदन पारीक

श्रीनगर,राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद ब्लॉक श्रीनगर के गांव कानाखेड़ी में राजीविका समूह की महिलाओ को साबुन सर्फ बनाने की निशुल्क 6 दिवसीय प्रशिक्षण चालू किया गया जिसमे श्रीनगर क्लस्टर प्रभारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके प्रशिक्षण का शुभारभ किया क्लस्टर प्रभारी विजय कुमावत ने बताया कि राजीविका समूह की महिलाओ को यह प्रशिक्षण निशुल्क करवाया जा रहा है ताकि महिला साबुन सर्फ बनाना सीखें और स्वय का रोजगार स्थापित करें साथ ही कुमावत ने बताया कि कानाखेड़ी मैं राजीविका द्वारा 15 स्वय सहायता समूह संचालित कर चुके है जिसमे राजीविका द्वारा महिलाओ को कही प्रकार का प्रशिक्षण देखकर आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है जैसे आचार पापड़ मसाला पाउडर, अगरबत्ती मेकिंग, साबुन सर्फ फिनायल, ज्वैलरी टैली आदि कुमावत ने महिलाओ को राजीविका की जानकारी देते हुए कहा राजीविका से जुड़ी सभी महिलाओ का बीमा होना बहुत जरूरी है बड़ौदा आर सेटी से प्रशिक्षण देने के लिए आकाश गहलोत ने बताया कि आरसेटी द्वारा कही प्रकार की ट्रेनिंग निशुल्क करवाई जाती है और राजीविका और ग्रामीण परिवारों को प्रशिक्षण दिया जाता है आज के प्रशिक्षण में क्लस्टर प्रभारी विजय कुमावत बड़ौदा आर सेटी से आकाश गहलोत प्रशिक्षण ट्रेनर कमलेश और राजीविका समूह की 35 महिलाओ ने प्रशिक्षण में भाग लिया

प्रबुद्ध जन प्रकोष्ठ संभागीय प्रभारी भाजपा हल्ला बोल

चमकता राजस्थान,अजमेर जिला ब्यूरो चीफ,रघुनंदन पारीक

अजमेर की पानी, बिजली, खराब सडकों की समस्याऐ एवं पटटे वितरण में सरकार के खोखले वादों को लेकर जन सेवक सुभाष काबरा के नेतृत्व में कल होने वाले हल्ला बोल प्रदर्शन हेतु प्रेस वार्ता की गई। प्रेस वार्ता में हाथीखेड़ा सरपंच लालसिंह रावत एंव कुन्दन वैष्णव साथ रहे।हल्ला बोल प्रदर्शन में गहलोत सरकार से की जाने वाली मांगे एंव सरकार का पट्टा वितरण मुख्य होगी!

श्री खांडल विप्र कर्मचारी समाज राजस्थान जयपुर द्वारा करियर काउंसलिंग फेयर संपन्न

चमकता राजस्थान

श्री खाण्डल विप्र कर्मचारी समाज राजस्थान जयपुर द्वारा के पी एस उडान पब्लिक स्कूल विद्याधर नगर में कक्षा 10 से ऊपर के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग फेयर का आयोजन किया गया। प्रदेशाध्यक्ष महेश चोटिया ने बताया कि श्रीखांडल विप्र कर्मचारी समाज विद्यार्थियों के लिए जिला स्तर पर करियर काउंसलिंग फेयर का आयोजन करेगा। इसी क्रम में जयपुर जिला खाण्डल विप्र कर्मचारी समाज के द्वारा आयोजित सर्वप्रथम करियर काउंसलिंग फेयर कार्यक्रम में श्री खाण्डल विप्र समाज के झालाना डूंगरी स्थित हॉस्टल के लगभग 125 बालक बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पावन सान्निध्य स्वामी श्री बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज हाथोज धाम, मुख्य अतिथि प्रोफेसर बी एम शर्मा निर्देशक महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट गवर्नेंस, अध्यक्षता श्री महावीरप्रसाद गोधला प्रमुख सचिव राजस्थान विधानसभा जयपुर, विशिष्ट अतिथि श्री बनवारी लाल चोटिया पूर्व न्यायाधिपति राजस्थान हाईकोर्ट, श्री हरिप्रसाद शर्मा पूर्व अध्यक्ष कर्मचारी चयन बोर्ड राजस्थान,श्री गजानन्दशर्मा पूर्व आई ए एस एवं विशिष्ट अधिकारी पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार रहे। विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलर के विषय विशेषज्ञों के रूप में प्रोफेसर पवन रिणवां कोटा यूनिवर्सिटी ,ज्ञान विहार विश्वविद्यालय के डॉक्टर नवीन बणसिया , कोच एफ आई इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर मोहित माटोलिया और Er भावना जोशी, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता नरेश रूंथला,निजी व्यवसायी रामगोपाल गोधला रहे। बालमुकुंदाचार्य जी महाराज ने विद्यार्थियों को कहां कि वे प्रात:सूर्योदय से पूर्व उठ कर नित्य योग व्यायाम का अभ्यास करें एवं गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है । प्रोफेसर बी एम शर्मा ने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर विस्तृत अध्ययन करने को कहा। महावीर प्रसाद गोधला ने कहा कि विद्यार्थी को निरन्तर अध्ययन और अभ्यास से सफलता प्राप्त होती है। बनवारी लाल चोटिया ने कहा कि विद्यार्थी को केवल राजकीय नौकरी के भरोसे नही रहना चाहिए अपितु वे निजी क्षेत्र को चुन कर भी सफलता प्राप्त कर सकते है। हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि राजकीय नौकरियां आबादी के मात्र 3% लोगों को ही प्राप्त होती है शेष 97% लोगों को रोजगार निजी क्षेत्र ही प्रदान करता है।कार्यक्रम का संचालन सरोज शर्मा और संतोष बीलवाल ने किया । राज्यस्तरीय संस्कृत युवप्रतिभा पुरस्कार 2023 से सम्मानित होने पर प्रदेश कोषाध्यक्ष महेश बढारढ़ा को भी सम्मानित किया गया। जयपुर जिलाध्यक्ष छुट्टन लाल काछवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर योगेश पीपलवा , राम बाबू जोशी, बसन्त शर्मा,हरिओम शर्मा,गिरिराज खाण्डल, मीनू हेमाणी, नीतू गोधला, रामप्रसाद मंगलहारा, उमेश सेवदा ,बी डी चोटिया,केसर देव खाण्डल, सुनिल खाण्डल, कमल किशोर बढारढ़ा, आशीष खाण्डल आदि श्री खांडल विप्र कर्मचारी समाज के सदस्य और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सफाई का भी नही ध्यान: जगह जगह कीचड़ से पैदा हो रहे मच्छर कर रहे बीमारी

बालेर में कीचड़ और गंदगी से आखिर कब मिलेगी राहत

चमकता राजस्थान

बालेर/विशाल अग्रवाल,खंडार विधानसभा क्षेत्र की पंचायत समिति खंडार की ग्राम पंचायत बालेर में पंचायत की अनदेखी से कीचड़ और गंदगी का आलम बना हुआ है।जिससे लोगो को आने जाने में दिक्कत हो रही है।साथ ही कई तरह की बीमारियों का शिकार भी इन स्तिथि में पैदा होते बीमारी वाहक मच्छर-मक्खीआदि के चलते हो रही है। ग्रामीणों का तर्क है कि उन्होंने कई बार पंचायत के अधिकारियो को साफ-सफाई के कीचड़ से मुक्ति के लिए अवगत करा चुके है। पर इसके बाद भी कोई हालत में सुधार नही किया गया है। नतीजा लोगो मे नाराजगी है। ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री का स्वस्छ भारत मिशन अभियान केवल फाइलों में ही दब कर रहे गया है। कस्बे ने नियमित साफ सफाई ने होने से सड़कों पर नालियों का गंदा पानी बह रहा है। ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने के बाद भी सफाई व्यवस्था पर ध्यान नही दिया जा रहा है।सफाई नही होने से सड़कों पर बह रहे गंदे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है। ग्रामीणो का आरोप है की कई बार जिम्मेदार अधिकारियो से गुहार लगा चुके है। लेकिन उन लोगो कोई सुनता नही है। जिससे कस्बे में सड़को पर चलना मुश्किल हो गया है। बरसात के मौसम में स्थिति ज्यादा खराब हो जाती है। सड़को पर पानी भरे रहने से सक्रमण फैलने का खतरा अब कस्बे वालो को सता रहा है। ग्रामीणों ने प्राशासनिक अधिकारियो से सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से करवाए जाने की मांग की है।

गंदगी से बढ़ने लगा बीमारियो का प्रकोप

ग्रामीणों का कहना है कस्बे में प्रत्येक गली- मोहल्ले की सड़कों पर कीचड़ होने के कारण गाँव मे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।जिससे हर परिवार के सदस्य को बुखार आदि सक्रमण की बीमारियों की चपेट में आ रहें है। ग्राम पंचायत द्वारा ने तो सडको पर फैल रही गंदगी के अंबार से मुक्ती दिलवाई जा रही है और न ही गांव में मच्छर मारने वाली दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है।

कस्बे की अधिकांश सड़कों की यही हालत

ग्रामीणों कहना है कि गांव में नियमित साफ सफाई नही होने के कारण नालियों में कचरा जमा हो गया है। इसलिए नालियों का पानी सीसी व इंटरलॉकिंग सड़को पर आ गया है। सड़क होने के बावजूद भी जिम्मेदार साफ- सफाई कराने में रुचि नही ले रहे है।

कीचड़ से गुजर रहे स्कूली बच्चे

ग्रामीणो का कहना साफ सफाई के अभाव में इंटरलॉकिंग व सीसी सड़को कीचड़ होने के ग्रामीणो को तो परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है।साथ ही स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चे में गिर जाते है। जिससे यूनिफॉर्म खराब होने के साथ बच्चे चोटिल हो जाते है।

कचरा संग्रहण वाहन बीमार

कस्बे के मोहल्ले से कुछ दिन घर -घर से कचरा संग्रहण वाहन कचरा लेकर जाता था,पर अब स्थिति यह है कि खुद कचरा वाहन खराब होने की बजह से कचरा सड़को पर नज़र आता है।

ग्राम पंचायत को साफ-सफाई नियमानुसार करवानी चाहिए।

अब नही करवाएंगे तो आगे करवाई करेंगे। लिखित में आदेश निकालेंगे आदेश कुमार मीना विकास अधिकारी पंचायत समिति खंडार

राजस्थान वैश्विक भारत के व्यापार में रखता है विशेष स्थान -राजीव अरोड़ा

चमकता राजस्थान

उदयपुर। फोर्टी उदयपुर ब्रांच की ओर से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सहयोगी फ्लोरेट के साथ आज होटल रामी रॉयल में एक दिवसीय वैश्विक व्यापार के साथ बढ़ते भारत पर सेनिमार आयोजित की गई। सेनिमार के मुख्य अतिथि राजयमंत्री आरईपीसी के चेयरमेन राजीव अरोड़ा, मुख्य वक्ता फ्लोरेट के निदेशक शरणिक चोपड़ा, विशिष्ट अतिथि चीफ सेक्रेटरी नरेश सिंघल, रीको के डी जी एम अजय पंडिया, राजस्थान फोर्टी ब्रान्च कमेटी चेयरमैन प्रवीण सुथार थे जबकि अध्यक्षता फोर्टी के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने की।

इस अवसर पर राजीव अरोड़ा ने कहा कि राज्य से निर्यात को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा किये जा रहे अनेक प्रयासों की जानकारी दी। फोर्टी की ओर से केन्या में आयोजित की गई प्रदर्शनी में राज्य सरकार द्वारा दिये गये सहयोग के बारें में भी बताया।

फ्लोरेट के निदेशक शरणिक चोपड़ा ने इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में आयात-निर्यात के विभिन्न अवसरों के बारें में प्रतिभागियों को जानकारी दी। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मंे ग्लोबल इंडिया की महत्ता व विभिन्न अवसरों के बारें में विस्तार से चर्चा की गई। फ्लोरेट ग्रुप उद्यमियों को आयात-निर्यात व्यापार से जोड़ने के लिये पिछले 20 वर्षो से लगातार प्रयास कर रहा है और भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिये एवं विभिन्न देशों के साथ कम्पनियों के जोइन्ट वेंचर एवं इन्वेस्टमेंट बढ़ाने के लिये प्रयास कर रही है।

अध्यक्षता करते हुए राजस्थान फोर्टी के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने फोर्टी राजस्थान की ओर से राज्य के निर्यात व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जानकारी दी। उन्होंने फोर्टी से राज्य में अधिकतम उद्योगपतियों को जोड़नें का आव्हान किया।

फोर्टी राजस्थान के मुख्य सचिव नरेश सिंघल ने उद्यमियों को व्यावहारिक ज्ञान एवं राजस्थान फोर्टी ब्रांच कमेटी चेयरमैन प्रवीण सुथार ने राज्य में संचालित फोर्टी ब्रान्चों की जानकारी दी। सुथार ने बताया कि आज उदयपुर की 4 कम्पनियों जिन्होंने केन्या में भाग लिया के.एस.पॉलीट्यूब,लोटस हाईटेक इंडस्ट्रीज, रिक्वार बिजनेस कोरपोरेशन व विश्वकर्मा इंजिनियरिंग वर्क्स को एक्सीलेंट अवॉर्ड सहित राज्य की 11 कम्पनियों को सेमिनार में उल्लेखनीय कार्यो के लिये फोर्टी बिसीनेस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

जिसमें वंडर सीमेंट से आर एस काबरा, एन एम इंडिया से नेहूल पाटीदार, डिसेंट फ्लोर, वेबेनिक्स, अशोका मार्बल, मेवाड़ ग्रुप, टेक फायरफ्लाई, मारुति एक्सपोर्ट को सम्मानित किया

इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि रीको के डीजीएम अजय पण्ड्या ने रीको के कार्यो एवं नियमों की जानकारी दी। शहर में अधिक उद्योग स्थापित किये जानें पर बल दिया।

फोर्टी वूमन विंग की सचिव ललिता कुच्चल ने उदयपुर में भी महिला विंग खोलने की घोषणा की जिसका संयोजक उदयपुर की नीता पंवार को बनाया। प्रारम्भ में उदयपुर फोर्टी सम्भागीय अध्यक्ष मनीष भाणावत ने स्वागत किया। सचिव चर्चिल जैन ने आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संचालन निशांत शर्मा व निर्मल जांगिड़ ने किया।

आनन्द शर्मा, इन्द्रकुमार सुथार व पलाश वैश्य ने सभी अतिथियों का स्वागत मेवाड़ी पगड़ी और महाराणा प्रताप की स्मृति चिन्ह दिया।

राजस्थान आवासन मंडल सीधी भर्ती परीक्षा-2023

आवासन आयुक्त ने शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए पुलिस, प्रशासन, मंडल के अधिकारियों और मीडिया का जताया आभार

चमकता राजस्थान

जयपुर, 11 सितंबर। राजस्थान आवासन मंडल द्वारा ली गई सीधी भर्ती परीक्षा-2023 के चौथे और आखिरी दिन दोनों पारियों को मिलाकर कुल 72.10 फीसदी छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। चौथे दिन के लिए 7 हजार 23 अभ्यर्थियों को कॉल लेटर जारी किए गए, जिसमें से 5 हज़ार 33 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। चारों चरणों में 59 हजार 996 परीक्षार्थियों में से 40 हजार 182 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जिनका प्रतिशत 66.97 रहा।

आवासन आयुक्त श्री कुमार पाल गौतम ने शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न करवाने में सहयोग के लिए पुलिस, प्रशासन, मंडल व संबंधित अधिकारियों और मीडिया का आभार जताया है।

परीक्षा के चौथे दिन पहली पारी के लिए प्रदेश के कुल 26 परीक्षा केंद्रों के लिए 4150 कॉल लेटर जारी किए गए थे, जिसमें से 2 हजार 888 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दूसरी पारी के 19 परीक्षा केंद्रों के लिए 2 हजार 873 कॉल लेटर जारी किए गए थे, वहां 2 हजार 145 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। सभी केंद्रों की लाइव टेलीकास्टिंग और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते चौथे दिन सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

गौरतलब है कि 258 विभिन्न पदों के लिए कुल 59 हजार 996 परीक्षार्थियों ने आवेदन किए थे। परीक्षा का परिणाम जल्द ही जारी किया जाएगा।

सरकार दे रही चंबल का पानी जलदाय विभाग कर रहा गटर और सीवरेज के पानी की सप्लाई

यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो जनआंदोलन करेंगे - पार्षद दीपक मुद्गल

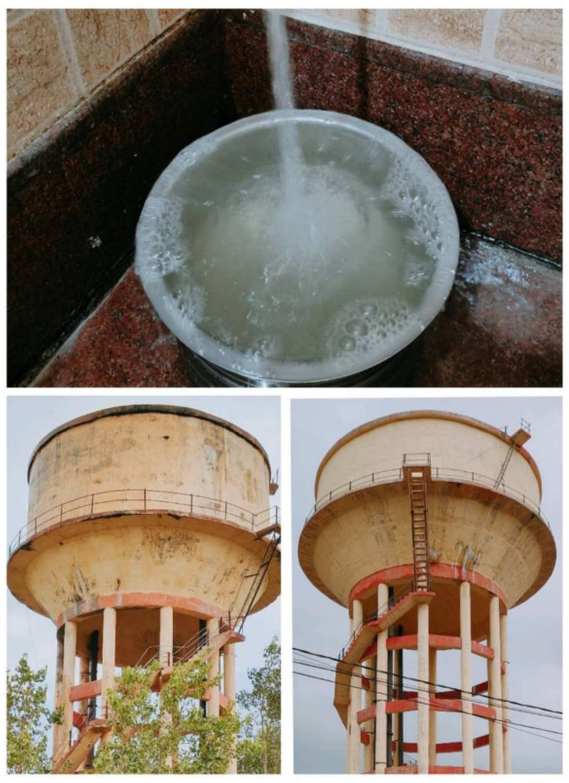

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, जवाहर नगर वार्ड 43 में जलदाय विभाग की दो पानी की टंकी को स्थान फिर भी स्थानीय लोग पिछले तीन माह से जलदाय विभाग की लापरवाही और अनदेखी के कारण सीवरेज और गटर के पानी की सप्लाई झेल रहे हैं। पार्षद दीपक मुदगल ने कहा की वो पिछले तीन माह से जलदाय विभाग के कर्मचारियों को खराब पानी की समस्या से अवगत करा रहे हैं। लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है । वार्डवासी अपने घरों पर बोरिंग करवाकर पानी की व्यवस्था कर जीवन यापन कर रहे हैं। खराब पानी के कारण घरों के आर ओ खराब हो गए हैं। टंकियों में गटर की सी बदबू आने लगी है। लोग बीमार होने लगे हैं। त्वचा खराब हो गए हैं। लोगों का जीवन यापन दुर्लभ हो गया है । वार्ड में दो पानी की टंकी बनी हुई हैं। जिसमें से एक जीर्ण शीर्ण अवस्था में होने कारण बंद कर दी गई है ,दूसरी टंकी की सप्लाई वार्ड से बाहर की जा रही है।वार्ड के कुछ स्थानों पर पम्प द्वारा पानी सप्लाई दी जा रही है जिसका जुड़ाव सीवरेज लाइन से हो गया है। जलदाय विभाग के कर्मचारियों द्वारा तीन माह में इसका पता भी नहीं लग सका है। जिसके कारण लोग दिनोंदिन बीमार होते जा रहे हैं। पार्षद मुदगल ने जलदाय विभाग और प्रशासन को जगाने हेतु शहर की मीडिया को माध्यम बनाकर लोगों को राहत दिलाने हेतु अपील की है। यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वो जनआंदोलन करेंगे।

सार समाचार

भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताओं में बाप कॉलेज की छात्राओं ने लहराया परचम

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

जयनारायण मोहनलाल पुरोहित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय फलोदी में राजस्थान मिशन 2030 के तहत जिला स्तर पर चलने वाली निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं में राजकीय महाविद्यालय बाप की छात्राओं ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। राजस्थान मिशन 2030 के प्रभारी सहायक आचार्य डॉ योगेश शर्मा ने बताया की भाषण प्रतियोगिता में उषा बीए द्वितीय वर्ष ने तृतीय एवं धाफू जटिया बीए प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। राज्य स्तर पर होने वाले निबंध प्रतियोगिता में धाफू बाप कॉलेज का प्रतिनिधित्व करेगी।कार्यवाहक प्राचार्य सुरेंद्र कुमार जांदू ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पीसीसी सचिव व्यास ने विद्युत सम्बन्धी समस्याओं को लेकर डिस्कॉम एमडी से की मुलाकात

कृषि कुओं पर आ रही वोल्टेज की समस्यां का समाधान करवाने की मांग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव महेश व्यास व पीसीसी सदस्य मौलवी रहमतुल्लाह कासमी ने सोमवार को जोधपुर में डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक प्रमोद टाक व विधुत वितरण सचिव राजेंद्र डांगा से मुलाकात कर उन्हे बिजली संबंधी समस्याओं से अवगत करवाया। पीसीसी सचिव व्यास व सदस्य मौलवी ने डिस्कॉम अधिकारियों को बताया कि बाप ब्लॉक में कृषि कुओं पर वोल्टेज की भारी समस्या है। क्षमता से अधिक कनेक्शन होने की वजह से आए दिन कृषि कुंओ पर मोटरे जल रही है। इससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। इसके अलावा गांवो में वर्षों पूर्व लगाए गए विद्युत तार भी अब ढीले हो गए है तथा पोल जर्जर हो गए हैं। बार-बार विद्युत ट्रिपिंग की भी समस्यां आ रही है। विद्युत संबंधी समस्याओं के कारण किसानों की फैसले जल रही है। पीसीसी सचिव व्यास ने आरोप लगाया कि डिस्कॉम के स्थानीय अधिकारी व कर्मचारी शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। जब भी स्थानीय जनप्रतिनिधि डिस्कॉम के जिम्मेवार को विद्युत संबंधी समस्या के लिए कॉल करता है तो वह उनका कॉल तक रिसीव नहीं करते हैं। डिस्कॉम एचडी टाक ने कांग्रेस पदाधिकारी को आश्वासन दिया की जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा। इसके लिए वकायदा वे स्वयं जल्द ही मौके पर आएंगे तथा किसानों की समस्याओं को सुना जाएगा डिस्कॉम के स्थानीय अधिकारियों को भी सख्त निर्देश दे दिए जाएंगे। इस दौरान नगर पालिका बाप के पार्षद मनोज पुरोहित, ननेऊ सरपंच मोहम्मद अली आदि साथ थे।

उत्तराखंड के सीएम से की मुलाकात

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि व युवा भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद रावल जाणी ने सोमवार को सूरतगढ़ के माणकसर गांव में गुरू जम्भेश्वर भगवान के मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। इसके बाद राजाराम धारणिया व उनके भाई विकास जाणी ओएसडी मुख्यमंत्री उतराखंड के यहां पधारे उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी का स्वागत किया।

खेलो से ही शारीरिक व मानसिक विकास संभव - डॉ डारा

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ पपुराम डारा ने सुरपुरा व हिंडालगोल में प्रारम्भ हुई क्रिकेट प्रतियोगिताओ के उद्घाटन समारोह में की शिरकत, खेल गतिविधियों के विस्तार हेतु राशि देने की घोषणा की

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप उपखण्ड के सुरपुरा व हिंडालगोल में प्रारंभ हुई क्रिकेट प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ पप्पूराम डारा ने शिरकत की। प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोह में आमजन व खिलाड़ियों से परिचय करते हुए डारा ने कहा कि खेल ही स्वस्थ शरीर की कुंजी है। ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस उन प्रतिभाओं को उचित मंच देने की। डारा ने कहा कि हम सभी को खेलो को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। खेलों से ही शारीरिक व मानसिक विकास संभव है। डारा ने सूरपुरा में आयोजित जेवाईएम स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से खेल मैदान निर्माण एवं खेल सामग्री हेतू दो लाख़ इक्यावन हज़ार रूपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।इसके बाद डारा ने हिंडालगोल गांव में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में शिरकत करते हुए एक लाख पच्चीस हजार सहयोग राशि देने की घोषणा की।

सोलर प्लेट्स चोरी का पर्दाफाश, एक मुल्जिम गिरफ्तार

बाप पुलिस की कार्रवाई, चोरी मे प्रयुक्त पिकअप वाहन जब्त

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप पुलिस ने सोलर प्लेट्स चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए एक मुल्जिम को गिरफतार कर उसके कब्जे से 45 सोलर प्लेट्स बरामद कर चोरी मे प्रयुक्त वाहन पिकअप को जब्त करने मे सफलता प्राप्त की है। बाप एसएचओ हमीरसिंह भाटी ने बताया की 3 सितंबर 2023 को प्रार्थी अमितानन्द पुत्र कुलानन्द झा पेशा प्राईवेट नौकरी निवासी मकान नम्बर 619 वार्ड नम्बर 38 रामचन्द्रपुरा पुलिस थाना गुमानपुरा जिला कोटा हाल एएमपी सौलर प्लांट मैनेजर बडीसिड पुलिस थाना बाप जिला फलौदी ने उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्ट पेश कर बताया कि हमारे बडीसिड सौलर प्लांट मे अज्ञात चोरो द्वारा सौलर प्लेट्स चोरी कर ले गये है। वगैरा रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसन्धान एवं माल मुलजिमानो की पतारसी शुरू की गई। जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी विनीत कुमार बंसल द्वारा सोलर कम्पनियों मे लगातार हो रही चोरियों की घटना को गम्भीरता से लेते हुए अतिशीघ्र ट्रेस आउट कर चोरी का माल बरामद कर मुलजिमानो को गिरफतार करने के निर्देश दिये। जिस पर सोरभ तिवाडी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फलोदी व रामकरणसिह मलिण्डा वृताधिकारी वृत फलौदीं के निकट सुपरविजन में हमीर सिंह भाटी थानाधिकारी पुलिस थाना बाप मय जाब्ता के द्वारा आसूचना एवं तकनीकी स्त्रोत के आधार पर सुनिल कुमार पुत्र सालगाराम जाति विशनोई निवासी फुलासर बडा पुलिस थाना बज्जु जिला बीकानेर को दस्तयाब कर मनोवैज्ञानिक तरीको से पुछताछ कर मुल्जिम के कब्जे से कुल 45 सौलर प्लेट्स बरामद कर वारदात मे प्रयुक्त पिकअप वाहन को भी जब्त करने मे सफलता प्राप्त की है। इस कार्रवाई में हमीर सिंह भाटी थानाधिकारी, मुख्य आरक्षी भंवरसिंह, राजेन्द्रसिंह, रामस्वरूप, श्यामसुन्दर, महिपाल, मनोज कुमार, रामकुमार, संजय डारा की भूमिका सराहनीय रही। इन्हें पुरूस्कृत किया जायेगा।

अतिरिक्त संसाधन लगाकर जल भराव की समस्या करें दूर - जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जिला कलक्टर अनिल कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में साप्ताहिक बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार ने किया गया। बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने उप राष्ट्रपति के संभावित धौलपुर दौरे की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को निश्चित समय में कार्यपूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से हैलीपैड निर्माण, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल तथा मचकुंड सरोवर परिसर में सेफ हाऊस निर्माण के संबध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी से निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक चिकित्सा सेवाएं मय एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेस के मुस्तैद रखने के निर्देश दिए। आयुक्त नगर परिषद को मचकुंड सरोवर तथा साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा एनएचएआई के अधिकारियो को संभावित रूट मार्ग पर जल निकास कर मरम्मत करने के निर्देश दिए। मैनेजर सर्किट हाऊस को प्रोटोकॉल के अनुसार कक्ष आरक्षित रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने आयुक्त नगर परिषद को शहर में अतिवृष्टि से जगह जगह हुए जल भराव की समस्या अतिरिक्त संसाधन लगाकर तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान मिशन 2030 अभियान के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों से सभी विभागों की तैयारियों, बैठकों की जानकारी ली तथा इस संबंध में फेस टू फेस सर्वे के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों लक्ष्य के अनुरूप कम से कम सौ व्यक्तियों का सर्वे करें। पंचायती राज विभाग को मैटों के माध्यम से धरातल पर सर्वे कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं, राजीविकाओं की महिलाओं, सुरक्षा सखी, कृषी सखी आदि के माध्यम से राजस्थान मिशन 2030 के तहत सर्वे कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों को संपर्क पोर्टल पर लंबित समस्त प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार चौधरी ने राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल तथा मचकुंड सरोवर तक यातायात व्यवस्था प्रबंधन और दौरे के समय ट्रैफिक व्यवस्था के बारे में निर्देश दिए। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर बाल कृष्ण तिवारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सुदर्शन सिंह तौमर, उपखण्ड अधिकारी धौलपुर मनीष कुमार जाटव, अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद शीशराम यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

न्यू कोर्ट कैम्पस धौलपुर में हरित न्याय अभियान के तहत किया गया पौधारोपण

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट कार्यक्रम में सुखद भविष्य के लिए पौधारोपण जरूरी - जमीर हुसैन सैयद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं रोटरी क्लब धौलपुर सिटी के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन विशिष्ठ न्यायाधीश पोक्सो जमीर हुसैन सैयद के मुख्य अतिथि में नवीन न्यायालय परिसर धौलपुर में संपन्न हुआ। जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए न्यायाधीश जमीर हुसैन सैयद ने कहा कि सुखद भविष्य के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्य रूप से इसमें अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाकर ब्रिज बनने तक बच्चे की तरह उसकी देखभाल करनी चाहिए। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सुनीता मीणा ने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत ''पर्यावरण संरक्षण'' को व्यक्ति का मूल अधिकार माना गया है तथा संविधान के अनुच्छेद 51क में पर्यावरण संरक्षण को व्यक्ति का मूल कर्तव्य भी माना गया है और कहा गया है कि ''भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे और उनका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे।'' इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष अतुल कुमार भार्गव ने कहा कि क्लब द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से पौधारोपण अभियान चलाया जाता है । क्लब विगत दो दशक से के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और निकट भविष्य में भी इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभाएगा। क्लब द्वारा पौधों के लिए ट्री गार्ड भी उपलब्ध करवाये गये। इस अवसर पर न्यायाधीश एमएसीटी उपेन्द्र शर्मा, न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय रेखा शर्मा, विशिष्ट न्यायाधीश अजा. अजजा नरेन्द्र मीणा, एडीजे सावित्री आनंद निर्भीक, सीजेएम नमृता पारीक, प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट जेजेबी श्वेता भारद्वाज, एसीजेएम भीम सिंह मीणा, जेएम 2 राघवी गोविल, जेएम 1 डॉ. नीरू सोनी, अध्यक्ष बार एसोसिएशन गौरव शर्मा, पीपी संतोष मिश्रा, रोटरी क्लब के सचिव अंकित अग्रवाल, सदस्य पीएलए वीरेन्द्र उपाध्याय व रामदत्त श्रोती, अधिवक्ता रंजीत दिवाकर, रोहिल सरीन, डॉ. निखिल अग्रवाल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीकण मौजूद थे।

'नई शिक्षा नीति पर आधारित सेमिनार में की शिरकत शैक्षिक नवाचारों को अपनाने से खुलेंगे आगे बढ़ने के रास्ते'

राज्यपाल ने किया अमृत वाटिका का उद्घाटन

बीकानेर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है। मिश्र सोमवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में %हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां% विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के समापन और अमृत वाटिका के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित देश बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जिसमें नयेपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो भारत को पुन: विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएगी। शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत में विश्व को एक साथ रखकर विश्व बंधुत्व को साकार करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में समय-समय पर ऐसे आयोजन करें। मिश्र ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ पारिस्थितिकी संतुलन और पर्यावरण संरक्षण विषय पर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के तहत अमृत वाटिका तैयार की गई है तथा इसके पौधों के साथ बीकानेर संभाग के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के शिला फलक लगाकर पौधों का नामकरण शहीदों और सेनानियों के नाम पर किया गया है। यह युवाओं के लिए प्रेरणादायक होगा। उन्होंने कहा कि मरुस्थलीय क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी होती है। ऐसे में वन आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि हो तो मृदा का क्षरण घटता है और भूजल स्तर सुधारने के साथ तापमान में कमी आती है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर सभी विश्वविद्यालयों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए निर्देशित किया गया है। मिश्र ने बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता और अपनत्व को विशेष बताया। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छगन मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भादाणी, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निर्मोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामा आदि के अवदान को याद किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह जिलाई बाई की माड गायकी, लोकनाट्य परंपरा %रम्मत%, उस्ता कला और लघु चित्र शैलियों भी विशेष पहचान रखती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा बीकानेर की इस विरासत को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएं।

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने की उद्देश्य से विभिन्न नवाचार किए गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जल्दी ही भारत के प्रमुख व्यक्तियों के नाम से भवनों और पार्कों का नाम नामकरण किया जाएगा।

भागवत कथा का श्रवण करने पहुँच रहे है श्रद्धालु

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप ब्लॉक के सोनलपुरा गांव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित हो रही भागवत कथा का श्रवण करने के लिए श्रद्धालु पहुँच रहे है। सोमवार को पण्डित हेमंत महाराज ने नानी बाई के ससुराल वालों की तरफ से नरसी जी महाराज को पत्र लिखने का प्रसंग सुनाया। कथा के इस विहंगमय प्रसंग को सुनकर समस्त श्रद्धालु प्रभावित हुए। कथा के दौरान सोमवार को भी भामाशाहों ने लगभग 15 लाख 38 हजार 801 की गोदान राशि गौ सेवार्थ देने की घोषणा की। इसके अलावा एक लिफ्ट मशीन भेंट करने की घोषणा की। सोनलपुरा की धन्य धरा पर विशाल गौशाला बनने जा रही है।सोनलपुरा एवं राणेरी के समस्त ग्राम वासियो द्वारा यह कथा आयोजित करवाई जा रही है।

विधायक ने सुने अभाव अभियोग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

फलोदी विधायक मास्टर पब्बाराम बिश्नोई सोमवार को बाप क्षेत्र के दौर पर रहे। इस दौरान विधायक ने विभिन्न शादी समारोह के साथ शोक सभाओ में शिरकत की। भाजपा बाप मंडल मंत्री अजीतसिंह खीरवा ने बताया कि विधायक विश्नोई ने हिडांलगोल निवासी नसरदीन की धर्मपत्नी लालखातु के निधन पर आयोजित शोक सभा में शिरकत कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिवारजनों को ढांढ़स बंधाया। विधायक ने खीरवा, देदासरी, कानासर, हिंडालगोल आदि गांवों का दौरा किया। इस दौरान भाजपा मंडल बाप अध्यक्ष हरि माडपुरा, मंत्री अजीतसिंह भाटी खीरवा, संजय गोदारा आदि साथ थे।

वीलौनी भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ मे पहुंच कर आमजन से की मुलाकात

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव ने सोमवार को क्षेत्र के गांव वीलौनी मे रनसिह जादौन चांदपुरा वालों ने कराई भागवत सप्ताह ज्ञान भंडारे मे पहुंच कर आमजन से मुलाकात की और प्रसादी ग्रहण की इसके साथ ही वीलौनी, चांदपुरा, खरौली, रीझौनी,बथुआखोअ, मढासिल, धौर्य,कौनेसा, ददरौनी, बड़ागांव, मोठियापुरा,बांसुरई,खैरारा, खिनौट,पवैनी,सहित अन्य गांवों मे पहुंच कर जन जन से मुलाकात की और लोगों के दुख दर्द को बांटा इस दौरान बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव, वरिष्ठ पार्षद रूकमपाल सिंह जादौन, ओमवीर सिंह चौधरी, विनोद कुमार शर्मा, मुकेश कोली, सुरजीत गुर्जर,सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।*

नाम परिवर्तन

मैं विवेकानन्द पुत्र श्री शिवदास उम्र 27 वर्ष निवासी संत आश्रम, अगुणी जगह, गांव जाम्बा, तहसील बाप, जिला फलोदी (राजस्थान) सर्व साधारण को यह सूचित करता हूँ की मेरे शैक्षणिक दस्तावेज दसवीं की अंक तालिका में मेरा नाम विकास बेनीवाल एवं मेरे पिताजी का नाम शंकरलाल एवं मेरी जन्म दिनांक 27/02/2000 दर्ज है। विकास बेनीवाल मेरे गृहस्थ जीवन का नाम था। मैंने आज से 6 वर्ष पूर्व गृहस्थ जीवन त्याग कर सन्यासी जीवन धारण कर लिया था तथा सन्यासी जीवन धारण करने के बाद मेरे गुरुजी श्री शिव दास जी ने मेरा नाम विवेकानन्द रख दिया एवं मेरे गुरुजी श्री शिव दास ही अब मेरे पिता है तथा मेरी वास्तविक जन्म दिनांक भी 01/01/1996 है। सन्यासी जीवन धारण करने के बाद मेने मेरे गुरूजी के आदेशानुसार नए नाम से पेन कार्ड एवं आधार कार्ड बनवाए है, जिसमें मेरा नाम विवेकानन्द एवं मेरे पिताजी का नाम शिवदास तथा मेरी जन्म दिनांक 01/01/1996 दर्ज है। जो कि सही है एवं अब वर्तमान में मुझे इसी नाम से जाना जाता है तथा भविष्य में भी जाना जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

बीजेपी की परिवर्तन यात्रा के दौरान गुर्जर समाज के लोगों का हुआ अपमान

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) जिले के बयाना में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा के दौरान हंगामा देखने को मिला। परिवर्तन यात्रा में प्रभारी के तौर पर आए कैबिनेट मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत करने के लिए गुर्जर समाज के लोग पहुंचे थे। लेकिन आरोप है कि जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल ने उन्हें गुंडा बताया और उन्हें स्वागत नहीं करने दिया। काफी देर हंगामा होने के बाद मंत्री कृष्णपाल ने खुद लोगों को मंच पर बुलाया और स्वागत कराया। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि गुर्जर नेता नरोत्तम अड्डा सहित कुछ अन्य लोग परिवर्तन यात्रा के दौरान बयाना के गांधी चौक तिराहे पर होने वाली आमसभा में कैबिनेट मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। लेकिन इस दौरान जब उन्होंने जिला अध्यक्ष से अनुमति मांगी तो आरोप है कि जिला अध्यक्ष ने उन्हें गुंडा बताया और कहा कि ऐसे बहुत आते हैं और उन्हें स्वागत नहीं करने दिया। इस पूरे घटनाक्रम से गुर्जर समाज में जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल के खिलाफ आक्रोश नजर आ रहा है। इस पूरे मामले में जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल का कहना है कि यह पार्टी का कार्यक्रम था, जिससे बाहरी लोगों को दूर रखा गया था।

समाजसेवी सुनील जाटव ने बीजेपी परिवर्तन संकल्प यात्रा पर किया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान

भुसावर (राजवीर सिंह) विधानसभा क्षेत्र के गाँव नहररपुर में समाजसेवी सुनील जाटव ने अपने समर्थन में पांच से लगभग छः हजार की संख्या के साथ रथ पर सवार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी,केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, सांसद रंजीता कोली,का 101किलो फूलों की माला पहनाकर बीजेपी परिवर्तन संकल्प यात्रा का गर्म जोशी के साथ पुष्प वर्षा करते हुए बीजेपी जिंदाबाद जिंदाबाद के नारे लगाते हुए संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत किया।नरहरपुर स्थित स्वागत स्थल पर संकल्प यात्रा का रथ पहुंचते ही समर्थकों ने सुनील जाटव को अपने कंधों पर उठाकर रथ के ऊपर पहुँचा दिया और रथ में सवार नेताओं का सुनील जाटव ने 101 किलो की फूलों की माला पहनाकर गर्म जोशी के साथ भव्य स्वागत किया सर्व समाज ने बीजेपी से टिकट दिलाने के लिए बीजेपी प्रदेश आलाकमान से आह्वान किया। वैर विधानसभा के लोगों ने सुनील जाटव को बीजेपी के पक्ष में पुरजोर समर्थन किया। सर्व समाज ने पढ़ा लिखा शिक्षित योग्य उम्मीदवार सुनील जाटव को बीजेपी आलाकमान से टिकट देने की मांग रखी।

वैर पुलिस ने आर्म्स एक्ट में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर मृदुल कच्छावा के निर्देशन में अवैध हथियारों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अति. पुलिस अधीक्षक वैर लाखन सिंह आरपीएस व वृत अधिकारी भुसावर के सुपर विजन में थाना अधिकारी वैर के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा अवैध हथियार लेकर घूमते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी प्रेम सिंह भास्कर ने बताया कि 10अगस्त 2023 को मय जाप्ता द्वारा गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर मनोहरदास मंदिर कस्बा वैर के पास अवैध हथियार लेकर घूमते हुए पाए जाने पर आरोपी मुकेश उर्फ घुरूँ पुत्र मोतीलाल उम्र 52 साल जाति ब्राह्मण निवासी पुरोहित मौहल्ला धूना मनोहरदास कुटिया वैर को गिरफ्तार कर कब्जे से एक अवैध पिस्टल मय 4जिंदा कारतूस 7.65 को एमएम को जब्त कर थाना वैर पर मु.न.211/23धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में पंजीबद्ध किया गया है।

फांसी के फंदे पर लटकी मिली महिला:कोतवाली और महिला थाना पुलिस जुटी जांच में!

चमकता राजस्थान

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट करौली 6 दिन पहले जिला मुख्यालय स्थित विवेक विहार कॉलोनी में एक महिला का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। महिला की संदिग्ध मौत की सूचना पर कोतवाली और महिला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका का शव फंदे से उतार कर करौली हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने मृतका के पीहर पक्ष को घटना की सूचना दी है। पीहर पक्ष के पहुंचने पर पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला थाना अधिकारी मंजू फौजदार ने बताया कि करौली के विवेक विहार कॉलोनी में एक महिला के फांसी के फंदे से लटका हुआ होने की सूचना मिली थी। सूचना पर महिला थाना और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा महिला को फंदे से नीचे उतरा। महिला को हॉस्पिटल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका लक्ष्मी पत्नी परसोत्तम उम्र 25 साल निवासी विवेक विहार है।

मृतका का शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। मृतका की शादी चार साल पूर्व हुई थी। मृतका के एक भी संतान नहीं है। मृतका का पति टैंपो चालक है। पति तीन दिन पूर्व ही महिला को ससुराल से लेकर आया था। महिला की मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्रियंका गांधी प्रदेश में आयी, लेकिन बलात्कार के मामलों पर मौनः-दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ, 11 सितम्बर 2023। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को लेकर सोमवार को पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने कहा कि प्रदेश में आज महिलाओं के भीतर असुरक्षा की भावना पैदा हुई है। मै खुद महिला हूं और मुझे राजस्थान में डर लगता है। राजस्थान में महिला अत्याचार और उत्पीड़न की घटनाएं देखते हुए रात तो बहुत दूर की बात है, दिन में भी बाहर निकलने से डर लगता है।

मुझे अपने आप को राजस्थान का नागरिक कहते हुए बहुत शर्म आती है। मुख्यमंत्री गहलोत फ्री की योजनाओं के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। राजस्थान में आज सबसे ज्यादा मंहगाई है, सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है, सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, पेट्रोल-डीजल पूरे भारत में सबसे मंहगा राजस्थान में है। बिजली की दरें सबसे ज्यादा राजस्थान में है। प्रदेश की जनता ने भी सोच लिया है कि अब परिवर्तन लाना है। ये वही लोग हैं तो भारत में रहकर सनातन को खत्म करने की बात कहते हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन सनातन धर्म को लेकर किस तरह की बातें करता है यह भी हम सब जानते हैं। वो लोग सनातन धर्म को खत्म करने की बात कर रहे है। हमारे भारत में रहते हो और यह सब बोलते हो। ऐसी पार्टी से कांग्रेस एलाइंस कर रही है, यह भी सोचने का विषय है। यह लोग हमारे देश को कमजोर कर रहे हैं और तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। पिछले साल कन्हैया मर्डर केस को हम सब ने देखा है लेकिन इसकी जांच इतने खराब तरीके से की थी कि इनमें से एक आरोपी बरी हो गया। इसके अलावा जयपुर बम ब्लास्ट के भी आरोपी बरी हो गए।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन,विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत!

चमकता राजस्थान

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट हिंडौन सिटी सूरौठ तहसील मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के खेल मैदान पर चल रही जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सोमवार को विधिवत रूप से समापन किया गया। समापन कार्यक्रम में विजेता टीम के खिलाड़ियों को अतिथियों ने शील्ड एवं पुरस्कार सामग्री भेंट कर पुरस्कृत किया। फुटबॉल 19 वर्ष का फाइनल मुकाबला राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल मुकुंदपुरा एवं सूरौठ की टीम के बीच खेला गया जिसमें मुकुंदपुरा की टीम विजेता रही। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र सिंह राजावत एवं भूपाल सिंह मीणा ने बताया कि प्रतियोगिता का विधिवत रूप से ध्वज उतार कर समापन किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शारीरिक शिक्षा के उप जिला शिक्षा अधिकारी मानसिंह मीणा थे तथा अध्यक्षता प्रतियोगिता संयोजक व प्रधानाचार्य सोहन सिंह मीणा ने की। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा के व्याख्याता मुरारी लाल शाक्यवार, जिला शूटिंग बॉल संघ के सचिव विश्राम मीणा, प्रतियोगिता पर्यवेक्षक एवं महात्मा गांधी राजकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रधानाचार्य एम डी भावना, शारीरिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष लोकेश मीणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी मानसिंह मीणा ने कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी है। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक भूपाल सिंह मीणा ने किया। समापन कार्यक्रम में रिटायर्ड शारीरिक शिक्षक महेंद्र शर्मा, फिजिकल टीचर योगेंद्र सिंह राजावत, गोविंद मीणा, बृजेंद्र सिंह राजावत, रज्जो पीटीआई, नीरज कुमार, मदन मोहन नाथित,बलराम, हेमेंद्र, शशि जांगिड़, प्रियकांत बेनीवाल, गब्बर सिंह, विनोद, राजेश मीणा, विनीत मीना, देवेंद्र, रघुराज मीणा, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

नारायण स्वरूप पाराशर हुए सम्मानित!

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा डीग, जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह छत्ता भवन डीग में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी नौलकमल गुर्जर ने की। इस कार्यक्रम में नारायण स्वरूप पाराशर निवासी डीग को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दिदावली में ₹500000 की लागत का कक्ष निर्माण करने के लिए सम्मानित किया गया। करन सिंह निवासी शीशबाडा को एक कक्षा कक्ष लगभग चार लाख की रुपए की लागत का निर्माण करने के लिए सम्मानित किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दिदावली के भामाशाह नारायण स्वरूप पाराशर को प्रेरित करने के लिए मोनिका शर्मा व्याख्याता राउमावि दिदावली को प्रेरक के रूप में सम्मानित किया गया। धीरेंद्र कुमार शर्मा प्रधानाचार्य राउमावि नंदेरा को विद्यालय में 155000 का सहयोग करने के लिए भामाशाह के रूप में सम्मानित किया गया । सभी सम्मानित भामाशाहों को श्रीफल, शॉल ,प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इन विद्यालयों के एसडीएमसी सदस्य एवं अन्य अभिभावक भी उपस्थित रहे। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दिदावली प्रधानाचार्या निशा शर्मा एवं लाल मनोहर लाल स्कूल डीग की प्रधानाचार्या सुमित्रा धांधेल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिंह शारीरिक शिक्षक एवं संयोजन दीपक शर्मा ने किया। भामाशाह सम्मान समारोह में जिला स्तर नारायण स्वरूप पाराशर साथ में पूर्व सीडीपीओ मानसरोवर पाराशर देवेंद्र पाराशर, उमेश पाराशर, सुबोध पाराशर एडवोकेट को भी माला साफा पहनाकर सम्मान किया गया । व्याख्याता मोनिका शर्मा को प्रेरक के रूप में सम्मानित किया ।

लूट की घटना निकली झूंठी : पत्नी के चरित्र पर संदेह था

प्रेमी का नाम पूछने गले पर कट लगाया, हालत गंभीर होने पर दी लूट की झूठी सूचना

चमकता राजस्थान

झालावाड़ 11 सितम्बर। मण्डावर थाना क्षेत्र में शनिवार को महिला को चाकू लगा दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मंगलसूत्र लूटने की घटना पुलिस जांच में झूंठी निकली। फरियादी ने पत्नी के चरित्र पर शक के चलते प्रेमी के बारे में जानने के लिए ब्लेड से गले पर कट लगाया था। हालत गंभीर होने पर डर से पुलिस में लूट की झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि पुलिस ने घटना का 12 घंटे में खुलासा कर आरोपी पति सुशील बैरागी पुत्र बजरंग लाल (34) निवासी तुंगनी थाना मंडावर को कोटा के रामगंज मंडी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने रविवार को थाना मण्डावर पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीनधार बड़बेला रोड पर बाइक पर आए दो अज्ञात बदमाशों ने उनकी बाइक रूकवाई और पत्नी के गले पर चाकू रख मंगलसूत्र लूट कर जंगल में भाग गए।

एसपी तोमर ने बताया कि मामले की खुलासे के लिए उन्होंने एडिशनल एसपी चिरंजीलाल मीणा व सीओ तरुण कांत सोमानी के सुपरविजन और एसएचओ शरीफ अहमद के नेतृत्व में टीम गठित कर आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस ने परिवादी की पत्नी दिलखुश बाई से अनुसंधान के बाद मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि आरोपी सुशील बैरागी करीब एक साल से अपने पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था। रविवार को प्रेमी के बारे में जानने के लिए शुशील ने पत्नी के गले पर ब्लेड से कट लगा दिया और डराया धमकाया। लेकिन गले पर कट लगने पर गंभीर घायल होने जाने पर वह घबरा गया और उसे एंबुलेंस से अस्पताल ले गया। बाद में घटना की झूंठी रिपोर्ट दर्ज कराई।

जोधपुर में सात मादक पदार्थ तस्करों की संपत्ति जप्त करने की कार्रवाई शुरू

चमकता राजस्थान

जयपुर 11 सितंबर। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर जिला ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त तस्करों की संपत्ति को जप्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इनमें हनुमान राम विश्नोई निवासी कापरड़ा, राजल जाट निवासी भोपालगढ़, सुनील डूडी निवासी बिलाड़ा, रामलाल सेन निवासी डांगियावास बोरुंदा, पुनाराम विश्नोई निवासी कापरड़ा हाल थाना बनाड़, जगदीश जाट निवासी थाना आसोप और पवन गुरु निवासी बालेसर थाना शेरगढ़ शामिल है।

ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ के तहत मादक पदार्थ तस्करों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को अधिग्रहण करने के लिए जिले भर में प्रभावी कार्रवाई करते हुए सात कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों के द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्ति को चिन्हित किया गया है।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी चुनाव और मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए लगातार एनडीपीएस एक्ट की इस धारा के तहत अलग-अलग अपराधियों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सभी थानाधिकारियों और वृत्त अधिकारियों को लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं।